धनबाद, शनिवार
14 नवंबर 2026
वर्ष : 04 अंक : 44
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ



ब्रीफ न्यूज

झारखंड की जेलों में 85 कैदी मना रहे हैं छठ महापर्व, प्रशासन ने किए खास इंतजाम

रांची, (एजेंसी) : राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जेलों में 85 कैदी लोक आस्था के महापर्व छठ मना रहे हैं। इनमें 36 महिला और 49 पुरुष बंदी शामिल हैं। जेल परिसर के भीतर ही पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना की जा रही है।

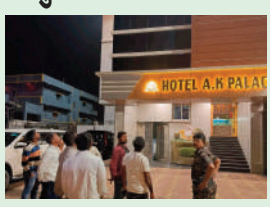
झारखंड के जेल आईजी सुदर्शन मंडल ने शुक्रवार को बताया कि बंदियों की धार्मिक आस्था और भावनाओं का सम्मान करते हुए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। जेलों के अंदर साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, रोशनी और कृत्रिम पूजा स्थल (अर्घ्य के लिए जल कुंड) तैयार किए गए हैं। इसके साथ व्रती बंदियों को प्रशासन की ओर से पूजन सामग्री, फल, नैवेद्य और नए वस्त्र भी उपलब्ध कराए गए हैं। पर्व के दौरान जेल में सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है।राजधानी रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सबसे अधिक 18 बंदी छठ महापर्व कर रहे हैं, जिनमें 9 महिला और 9 पुरुष बंदी शामिल हैं। इसी प्रकार हजारीबाग लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा से 5 महिला और 6 पुरुष, मेदिनीनगर केंद्रीय कारा 5 महिला और 3 पुरुष, दुमका केंद्रीय कारा से 1 महिला और 4 पुरुष, घाघीडीह केंद्रीय कारा (जमशेदपुर) 1 महिला बंदी।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने राज्यपाल संतोष गंगवार से की मुलाकात



रांची, 13 नवंबर (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को लोक भवन में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मुलाकात के दौरान राज्यपाल और केंद्रीय मंत्री के बीच विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई।

बरही के होटल ए के पैलेस पर अपराधियों ने चलाईं पांच गोलियां, मौके से मिला राहुल दुबे गैंग के नाम का पर्चा



हजारीबाग। जिले के बरही थाना क्षेत्र स्थित होटल ए के पैलेस में दो अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। जानकारी के अनुसार, अपाची मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे दो अपराधियों ने होटल को निशाना बनाते हुए पांच राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। फायरिंग के बाद होटल में लगे शीशे पर गोलियों के पांच निशान दिखाई दिए।

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे, होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर और अपराधियों द्वारा छोड़ा गया एक पर्चा जब्त किया है। पर्चे पर राहुल दुबे गैंग का नाम लिखा हुआ बताया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में सड़क निर्माण कंपनी के ठेकेदार अखिलेश पांडेय ठहरे हुए थे। आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने उन्हें निशाना बनाने की मंशा से होटल पर फायरिंग की। होटल के आसपास मौजूद लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण कंपनी के कर्मचारी और ठेकेदार यहां ठहरते हैं। उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस घटना को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज, बरामद खोखे और घटनास्थल से मिले पर्चे के आधार पर अपराधियों की पहचान और घटना के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

त्रिशा जॉली, गायत्री गोपीचंद, दिव्या देशमुख और तेजस्विन शंकर सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार



नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 प्रदान किए। बैडमिंटन खिलाड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद, शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख और विदित गुजराती तथा डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हालांकि, इस बार किसी भी खिलाड़ी को देश का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया। वर्ष 2014 के बाद यह पहला अवसर है, जब खेल रत्न पुरस्कार किसी को नहीं मिला है।

राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में फुटबॉल खिलाड़ी इसाया अरुमनायगम को अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) प्रदान किया गया। एथलेटिक्स कोच परवीर सिंह, मुक्केबाजी कोच छोटे लाल यादव और निशानेबाजी कोच नेहा नंदकुमार चव्हाण को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुक्केबाजी कोच धर्मेंद्र सिंह यादव और कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमार को द्रोणाचार्य पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मान दिया गया।

अर्जुन पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में विश्व कप विजेता शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य विदित गुजराती, राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता तेजस्विन शंकर, बैडमिंटन की महिला युगल जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद शामिल हैं। इनके अलावा एथलेटिक्स में मुहम्मद अजमल वरियाथोडी और रेस वॉकर प्रियंका गोस्वामी, मुक्केबाजी में नरेंद्र बेरवाल, हॉकी में तालरेमसियामी हर्जोट और राजकुमार पाल, कबड्डी में सुरजीत और पूजा, रोइंग में अरविंद सिंह तथा निशानेबाजी में अखिल श्योराण को भी अर्जुन पुरस्कार दिया गया। पैरा खेलों में एकता भ्यान और रुद्रांश खंडेलवाल को यह सम्मान मिला। पैरा निशानेबाज धनुष श्रीकांत को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।दिव्या देशमुख ने वर्ष 2025 में फिडे महिला विश्व कप जीतकर यह खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का गौरव प्राप्त किया था। उन्होंने बाकू में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को रैपिड टाई-ब्रेक में 1.5-0.5 से हराया था। वहीं, तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे। विदित गुजराती वर्ष 2024 में शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे।समारोह में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित प्रमुख खिलाड़ियों में दिव्या देशमुख, विदित गुजराती, मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल और युवा बधिर निशानेबाज धनुष श्रीकांत शामिल रहे। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद जापान मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सकीं। वर्ष 1962 के एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय फुटबॉल टीम के सदस्य इसाया अरुमनायगम को खेलों में उनके योगदान के लिए अर्जुन पुरस्कार की लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी में सम्मानित किया गया।

भारतीय सैन्य दल अभ्यास 'मित्र शक्ति' में हिस्सा लेने के लिए श्रीलंका रवाना



नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय सेना की 170 सदस्यों वाली टुकड़ी आज श्रीलंका के लिए रवाना हुई। यह सैन्य दल संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति के 12वें संस्करण में हिस्सा लेगा। श्रीलंका में मदुरू ओया के आर्मी ट्रेनिंग स्कूल में यह अभ्यास 13 से 26 नवंबर तक होगा। भारतीय टुकड़ी में राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन, दूसरी सेनाओं के सैनिक और वायु सेना के जवान शामिल हैं।रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का मकसद यूनाइटेड नेशंस के आदेश के तहत सेमी-अर्बन माहौल में काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन करने के लिए दोनों सेनाओं की जॉइंट मिलिट्री क्षमता को बढ़ाना है। ह्यमित्र शक्तिह्ल सालाना द्विपक्षीय अभ्यास है, जो भारत और श्रीलंका में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। यह एक्सरसाइज दोनों सेनाओं को इंटरऑपरेबिलिटी को मजबूत करने, ऑपरेशनल अनुभवों को शेयर करने और काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन करने में बेस्ट प्रैक्टिस शेयर करने के लिए एक जरूरी प्लेटफॉर्म देती है, साथ ही आपसी समझ और प्रोफेशनल दोस्ती को भी बढ़ावा देती है।यह एक्सरसाइज फिजिकल फिटनेस बढ़ाने, टैक्टिकल ड्रिल को बेहतर बनाने और हिस्सा लेने वाली टुकड़ियों के बीच कोऑर्डिनेशन को बेहतर बनाने पर फोकस करेगी। ट्रेनिंग प्रोग्राम में जॉइंट प्लानिंग, टैक्टिकल ऑपरेशन की रिहर्सल और रोड ब्लॉक ऑपरेशन, अर्बन पेट्रोलिंग, गाड़ियों के काफिले की सुरक्षा, एरिया में घात लगाना, भीड़ को हटाना और किलेबंद जगहों के खिलाफ कंबाइंड आर्म्स ऑपरेशन सहित खास कॉम्बैट स्किल शामिल होंगे। यह एक्सरसाइज एक कॉम्प्रिहेंसिव वैलिडेशन एक्सरसाइज के साथ खत्म होगी, जिससे दोनों टुकड़ियों को ट्रेनिंग के दौरान प्रैक्टिस की गई टैक्टिक्स, टेक्नीक और प्रोसीजर को मिलकर लागू करने में मदद मिलेगी।एक्सरसाइज मित्र शक्ति भारत और श्रीलंका के बीच डिफेंस कोऑपरेशन को और मजबूत करेगी। दोनों देशों के बीच दोस्ती और आपसी भरोसे के पुराने रिश्तों को और मजबूत करेगी और इलाके की शांति, स्थिरता और सुरक्षा में योगदान देगी।

असम के काजीरंगा में ट्रैवलर-कंटेनर ट्रक की टक्कर, 10 से अधिक लोगों की मौत की आशंका



गोलाघाट (असम), (एजेंसी) : असम के काजीरंगा में शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में 10 से अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। हादसा उस वक्त हुआ जब रंगाजान के पास एक यात्री ट्रैवलर और कंटेनर ट्रक के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैवलर में कई यात्रियों के फंसे होने की आशंका है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रैवलर (एएस-02एसी-6690) बोकाखात से नगांव की ओर जा रही थी। इसी दौरान उसकी कंटेनर ट्रक (केए-01एटी-0977) से टक्कर हो गई। बताया गया है कि ट्रैवलर में कुल 35 यात्री सवार थे, जिनमें अधिकांश छात्र थे।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैवलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन में कई यात्रियों के फंसे होने की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है।

ट्रैवलर में सवार थे 35 यात्री, अधिकांश के छात्र होने की जानकारी-कई यात्रियों के वाहन में फंसे होने की आशंका, राहत एवं बचाव अभियान जारी

हादसे में घायल यात्रियों को उपचार के लिए कोहोरा मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मृतकों और घायलों की वास्तविक संख्या की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।पुलिस हादसे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव अभियान जारी है। दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

बेंगलुरु मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार, पिंक लाइन के विस्तारित खंड का प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से बना 7.5 किलोमीटर लंबा खंड, हर आठ मिनट में मिलेगी मेट्रो



बेंगलुरु, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश की विकास यात्रा में बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बेहतर संपर्क व्यवस्था से विकास, रोजगार और उद्योगों के नए अवसर पैदा होते हैं। जब इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है तो गरीबी के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में देश के करीब 50 करोड़ नागरिक भीषण गरीबी से बाहर आए हैं।प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को बेंगलुरु में नम्मा मेट्रो की पिंक लाइन के कालेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक विस्तारित खंड का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस विस्तार के साथ बेंगलुरु का मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर के पार पहुंच गया है और दिल्ली-एनसीआर तथा मुंबई के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला देश का तीसरा शहर बन गया है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह उपलब्धि केवल परिवहन परियोजना का विस्तार नहीं है, बल्कि शहरवासियों का जीवन आसान बनाने और शहरी आवागमन को सुविधाजनक करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही कर्नाटक को राज्य की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन मिली थी और अब गोवा को जोड़ने वाली वंदे भारत ट्रेन की सुविधा भी मिली है। भारत चिप निर्माण से लेकर जहाज निर्माण तक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा सेंटर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे आधुनिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वैश्विक नेतृत्व हासिल करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है।

कालेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक पिंक लाइन का विस्तारित हिस्सा करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इसकी लंबाई 7.5 किलोमीटर है। इस खंड में छह स्टेशन बनाए गए हैं, जिनमें कालेना अग्रहारा, हुलिमावु, आईआईएमबी, जेपी नगर चौथा चरण, जयदेव अस्पताल और तावरेकेरे शामिल हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने तावरेकेरे स्टेशन से बिलेकेनहल्ली स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु (आईआईएमबी) स्टेशन तक मेट्रो में यात्रा भी की। इस दौरान उन्होंने नए मार्ग की सुविधाओं और संचालन व्यवस्था का जायजा लिया।

पिंक लाइन के विस्तारित हिस्से के यात्री सेवा के लिए खुलने के बाद नम्मा मेट्रो का कुल परिचालन नेटवर्क 96.10 किलोमीटर से बढ़कर 103.60 किलोमीटर हो गया है। इस-के साथ ही बेंगलुरु देश का तीसरा ऐसा शहर बन गया है, जहां मेट्रो नेटवर्क 100 किलोमीटर से अधिक हो गया है। इससे शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच सार्वजनिक परिवहन संपर्क और मजबूत होगा।

शुरूआती चरण में इस मार्ग पर पांच समर्पित मेट्रो ट्रेनें संचालित की जाएंगी। यात्रियों को प्रत्येक आठ मिनट में मेट्रो उपलब्ध होगी। यात्रियों की संख्या और सिग्नलिंग व्यवस्था की स्थिरता को ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में ट्रेनों के बीच का अंतराल कम करने की योजना है।

नए मार्ग के शुरू होने से शहर के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होगा। इससे दैनिक यात्रियों का समय बचेगा और सड़कों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। पिंक लाइन का विस्तार बेंगलुरु की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती देने के साथ शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी गति देगा।

सेवा भावना ही सच्ची मानवता का आधार, समाज के प्रति हर व्यक्ति की जिम्मेदारी : मोहन भागवत



नई दिल्ली (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि सेवा को केवल पेशा या आजीविका का साधन मानना उचित नहीं है। यह समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। करुणा, संवेदनशीलता और निस्वार्थ सहयोग से ही एक सशक्त एवं स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने लोगों से बिना किसी स्वार्थ, भेदभाव और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करने का आह्वान किया।

भागवत शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत परिचय या संबंध होना जरूरी नहीं है। यदि कोई व्यक्ति संकट, परेशानी या दुख में है, तो उसकी सहायता के लिए आगे आना ही सच्ची मानवीय संवेदना है। दूसरों की मदद करते समय यह भाव नहीं होना चाहिए कि हम कोई बड़ा या असाधारण कार्य कर रहे हैं। जरूरतमंद के दर्द को समझना और उसे कम करने का प्रयास करना ही मानवता का वास्तविक परिचय है।

संघ प्रमुख ने कहा कि किसी समाज की मजबूती का आकलन केवल उसकी आर्थिक संपन्नता से नहीं किया जा सकता। समाज की असली ताकत लोगों के बीच आपसी विश्वास, संवेदनशीलता, सहयोग और करुणा में निहित होती है। जब तक व्यक्ति दूसरे के दुख को अपना समझकर उसकी मदद करने की भावना रखता है, तब तक सामाजिक एकता और सद्भाव कायम रहता है। संवेदनशीलता का अभाव मानवता को कमजोर करता है।

पुरस्कारों की भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वास्तविक समाजसेवी सम्मान या पुरस्कार की अपेक्षा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके निस्वार्थ योगदान को पहचान देने और उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं। ऐसे सम्मान से समाज के दूसरे लोगों को भी सेवा और परोपकार के कार्यों के लिए प्रेरणा मिलती है।

धर्म की व्याख्या करते हुए भागवत ने कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम धर्म के मूल आधार हैं। मानवता, भाईचारा और परस्पर सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। जब मनुष्य अपने व्यवहार में इन मूल्यों को अपनाता है, तभी उसका जीवन समाज के लिए उपयोगी बनता है।

अपने संबोधन में उन्होंने गुरु-शिष्य का एक प्रेरक प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि एक गुरु ने अपने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने का निर्देश दिया, जहां उसे कोई देख न सके। शिष्य फल खाए बिना वापस लौट आया। उसने गुरु को बताया कि उसे ऐसी कोई जगह नहीं मिली, जहां ईश्वर की उपस्थिति न हो। इस प्रसंग के माध्यम से भागवत ने समझाया कि जब व्यक्ति प्रत्येक जीव में ईश्वर का स्वरूप देखने लगता है, तब उसके मन में दूसरों के प्रति प्रेम, दया, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना स्वतः विकसित हो जाती है।

अमित शाह से डॉ. संजय निषाद की मुलाकात, 2027 चुनाव को लेकर हुई चर्चा



नई दिल्ली, (एजेंसी) : निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने शुक्रवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निषाद समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, पार्टी पदाधिकारियों से संबंधित विषयों और आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. संजय निषाद ने समाज की मांगों से संबंधित पत्र भी गृहमंत्री को सौंपा।

भेंट के दौरान आगामी 2027 विधानसभा चुनाव में निषाद पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन के तहत मिलकर चुनाव लड़ने, जीत की रणनीति और राजनीतिक समीकरणों पर सकारात्मक बातचीत हुई। मीडिया से बात करते हुए डॉ. संजय निषाद ने कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निषाद पार्टी के लिए सदैव महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि अमित शाह के साथ हुई मुलाकात में समाज के हितों और संगठन से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

डॉ. संजय निषाद ने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी। उन्होंने कहा कि जब भी दो नेता मिलते हैं, तो राजनीतिक विषयों पर चर्चा होना स्वाभाविक है। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हुई बातचीत भी इसी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।उन्होंने कहा कि निषाद समाज के हितों की रक्षा और समाज से जुड़े मुद्दों का समाधान पार्टी की प्राथमिकता है। भाजपा के साथ समन्वय और सहयोग के माध्यम से आगामी चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान निषाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व सांसद प्रवीण निषाद तथा विधायक सरवन निषाद भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कद्दू-भात के साथ छठ महापर्व का नहाय-खाय शुरू, मारगोमुंडा में माहौल हुआ भक्तिमय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

देवघर।लोक आस्था का महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। महापर्व को लेकर मारगोमुंडा प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल उदीयमान है।छठ व्रतियों ने स्नान कर पवित्रता के साथ भगवान सूर्य की आराधना की और परंपरा के अनुसार कद्दू-भात का प्रसाद ग्रहण किया।नहाय-खाय के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे के निर्जला उपवास का कठिन व्रत चालू हो गया है।घरों में छठ पूजा को लेकर साफ-सफाई के साथ पूजन सामग्री की व्यवस्था की गई है।बाजारों में भी कद्दू, चावल, चने की दाल और अन्य पूजन सामग्रियों की खरीदारी को लेकर काफी चहल-पहल बढ़ गई है।बताते चलें कि चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व के दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। पर्व को छठ गीतों की गूंज से पुरा क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।लोक आस्था और पवित्रता का प्रतीक यह पर्व मारगोमुंडा प्रखंड क्षेत्र में पारंपरिक श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।उदीयमान सूर्य के अधर्य के साथ छठ पर्व का समापन हो जाता है।

धान खरीद के मुद्दे पर हेमंत सरकार को घेरा, 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने की मांग



डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने धान खरीद का लक्ष्य घटाने पर उठाए सवाल, बिचौलियों और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : झारखंड में धान खरीद की दर और निर्धारित लक्ष्य में कटौती को लेकर भाजपा ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर किसानों से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव के दौरान घोषित 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने की मांग की है।

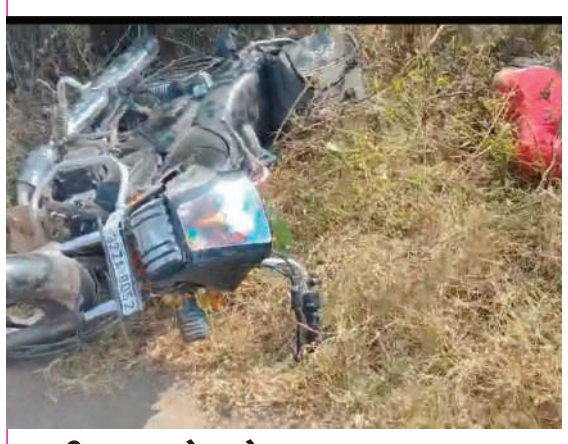
शुक्रवार को जमशेदपुर के साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. गोस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ष किसानों से 2550 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदने की तैयारी कर रही है, जबकि चुनाव के दौरान 3200 रुपये प्रति क्विंटल देने का वादा किया गया था। उन्होंने सरकार से अपने वादे के अनुरूप किसानों को उचित मूल्य देने की मांग की।

उन्होंने धान खरीद का लक्ष्य छह लाख टन से घटाकर चार लाख टन किए जाने पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, लक्ष्य में कमी से धान बेचने वाले किसानों को परेशानी हो सकती है।

डॉ. गोस्वामी ने धान क्रय केंद्रों पर नमी के नाम पर किसानों की उपज में कटौती किए जाने और बिचौलियों की सक्रियता का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि खरीद प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती हैं। सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे किसानों को अपनी उपज का पूरा और उचित मूल्य मिल सके।

उन्होंने धान खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, अनियमितताओं पर रोक लगाने और किसानों के हितों की रक्षा करने की मांग की।

अनियंत्रित बाइक दीवार से टकराई, 17 वर्षीय प्रदीप की मौत



दीवाना मोड़ के पास हुआ हादसा, गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने जताई मौत की आशंका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा । नारायणपुर थाना क्षेत्र के चम्पापुर-ताराटांड़ मुख्य मार्ग पर शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय युवक प्रदीप हांसदा की मौत हो गई। दीवाना मोड़ के समीप उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित दीवार से टकरा गई। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

मृतक की पहचान बेडवा (चम्पापुर) निवासी शिबू हांसदा के पुत्र प्रदीप हांसदा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे प्रदीप बाइक से अपने घर लौट रहा था। वह किसी काम से जंगलपुर (छाताबाद) गया हुआ था। वापसी के दौरान दीवाना मोड़ के पास अचानक बाइक पर से उसका नियंत्रण हट गया और बाइक दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को 108 एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), नारायणपुर पहुंचाया गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार ने उसकी जांच की। चिकित्सक के अनुसार, अस्पताल पहुंचने पर युवक की नाड़ी और रक्तचाप दर्ज नहीं हो रहा था। ईसीजी जांच के लिए उसे सदर अस्पताल जामताड़ा रेफर किया गया। चिकित्सक ने उसकी मौत की आशंका जताई थी, हालांकि अंतिम पुष्टि के लिए आगे की जांच आवश्यक थी।

हादसे की सूचना मिलते ही नारायणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। इधर, जवान बेटे के साथ हुए हादसे की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पलामू के अपर समाहर्ता कुंदन कुमार को आईएएस में प्रोन्नति

राज्य सिविल सेवा कोटे से भारतीय प्रशासनिक सेवा में मिली जगह, उपायुक्त ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू । पलामू जिले के अपर समाहर्ता एवं झारखंड प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी कुंदन कुमार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आ-ईएएस) में प्रोन्नति मिली है। राज्य सिविल सेवा कोटे से आईएएस में नियुक्ति के साथ उन्होंने अपने प्रशासनिक करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

भारत सरकार के कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने 10 नवंबर को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। कुंदन कुमार को वर्ष 2024 की रिक्तियों के आधार पर आईएएस में प्रोन्नति प्रदान की गई है।



उनकी इस उपलब्धि पर शुक्रवार को जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

उपायुक्त ने कहा कि कुंदन कुमार का प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण आगे भी बेहतर कार्यों में योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई जिम्मेदारी में भी वे अपनी कार्यक्षमता और कर्तव्यनिष्ठा से प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे।

कुंदन कुमार की आईएएस में प्रोन्नति को पलामू जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। उनकी सफलता झारखंड प्रशासनिक सेवा के अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

सीएचसी बिरनी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी पर 10 हजार रुपये प्रतिमाह कमीशन मांगने का आरोप,डीसी को आवेदन देकर किया शिकायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह।बिरनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुलदीप तिर्की एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। बिरनी प्रखण्ड के सिमराढाब पंचायत के बनपुरा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार मोदी ने डॉक्टर कुलदीप तिर्की पर प्रतिमाह 10 हजार रुपये कमीशन मांगने, रुपये नहीं देने पर मेडिकल दुकान बंद कराने की धमकी देने, दुकान से चिकित्सकीय पर्चियां एवं जरूरी कागजात उठाकर ले जाने तथा सरकारी पद पर रहते हुए निजी अस्पताल में काम करने और निजी प्रैक्टिस करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए गिरिडीह उपायुक्त एवं सिविल सर्जन गिरिडीह को आवेदन देकर उच्चस्तरीय जांच कर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में आशीष कुमार मोदी ने बताया कि वह स्थानीय ग्रामीणों के साथ लंबे समय से सीएचसी बिरनी में कथित वित्तीय अनियमितताओं, फर्जी कर्मियों की बहाली और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग का मामला उठाते रहे हैं। पूर्व में अस्पताल में करीब 66 लाख रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता को लेकर शिकायत की गई थी, जिसके बाद विभागीय जांच एवं कार्रवाई हुई थी।उपायुक्त को दिए आवेदन में कहा है कि बीते तीन अक्टूबर 2026 को अस्पताल के कर्मचारी हरिहर रविदास के माध्यम से मुझे फोन कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कुलदीप तिर्की ने बुलाया था। उनके द्वारा बुलाये जाने पर हम अस्पताल पहुंचे तो कथित तौर पर मुझसे प्रतिमाह 10 हजार रुपये कमीशन मांगा गया। रुपये नहीं देने पर दवा दुकान बंद कराने की धमकी दी गई। आरोप लगाया कि बीते सात नवंबर की रात रिश्तेदार के लिए एंबुलेंस बुक कराने अस्पताल पहुंचने पर उन्हें परिसर में आने से मना कर दिया गया। वहीं, 12 नवंबर को डॉ. तिर्की एक निजी एंबुलेंस चालक की मोटरसाइकिल से हमारा आशीष मेडिकल दुकान पहुंचे और बिना कोई लिखित आदेश दिखाए चिकित्सकीय पर्चियां एवं जरूरी कागजात उठाकर ले गए।आवेदन में एक नवंबर को समाचार पत्र में प्रकाशित डॉक्टर ड्यूटी रूम से सरकारी एयर कंडीशनर (एसी) गायब होने की खबर का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा डॉ. तिर्की पर जमुआ स्थित द्रोणा हॉस्पिटल में कार्य करने और सीएचसी बिरनी के सामने निजी प्रैक्टिस करने का आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट ने रिश्वत मामले में सेल के पूर्व सेक्शन ऑफिसर को किया बरी, सीबीआई कोर्ट की सजा रद्द

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।झारखंड हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में सीबीआई की विशेष अदालत का फैसला पलटते हुए सेल के पूर्व सेक्शन ऑफिसर प्रदीप कुमार को बरी कर दिया है।सीबीआई के अनुसार, ठेकेदार जितेंद्र कुमार सिंह (मेसर्स मां गीवच्छ एंटरप्राइजेज) ने 19 जून 2007 को शिकायत की थी कि प्रदीप कुमार सेल कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समिति का लेखा कार्य देखते हैं। आरोप था कि उन्होंने करीब 80,000 रुपये के बिलों का भुगतान कराने के बदले 8,000 रुपये रिश्वत मांगी।इसमें 6,000 रुपये अग्रिम और 2,000 रुपये भुगतान के बाद तय हुए थे।सीबीआई ने उसी दिन जाल बिछाया। एजेंसी का दावा था कि आरोपी के कहने पर शिकायतकर्ता ने नोट कूलर पर रखी फाइल के नीचे रखे, जो बाद में बरामद हुए।विशेष न्यायाधीश, सीबीआई, रांची ने 10 जुलाई 2014 को प्रदीप कुमार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 13(2) सहपठित 13(1)(f) में दोषी ठहराया था। उन्हें धारा 7 में तीन साल और धारा 13(2) में चार साल का सश्रम कारावास, साथ में उन पर 5,000-5,000 रुपये जुमार्ना लगाया गया था।हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन रिश्वत की मांग, उसकी स्वीकृति और बरामदगी को साबित नहीं कर सका। अदालत ने ये बातें भी मानी कि आरोपी चेक जारी करने के लिए सक्षम नहीं था। चेक पर हस्ताक्षर करना समिति के सचिव का काम था। अभियोजन गवाहों (1 और 3) के बयान के अनुसार, शिकायतकर्ता के वाउचर के साथ फॉर्म-9सी नहीं लगा था। चेक जारी न होने की यह वजह हो सकती है।इन परिस्थितियों से मांग और स्वीकृति पर संदेह पैदा होता है, जिसका लाभ अपीलकर्ता को मिलना चाहिए।अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि निचली अदालत ने गवाहों की गवाही पर अनुमान के आधार पर भरोसा किया और उसके निष्कर्ष रिकॉर्ड से परे थे।कोर्ट ने दोषसिद्धि और सजा दोनों रद्द कर दीं, अपील स्वीकार की और प्रदीप कुमार को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

एसआईआर को लेकर 18 नवंबर को सभी मतदान केंद्रों पर लगेगा विशेष कैंप

पात्र मतदाताओं को नाम जुड़वाने का मिलेगा एक और मौका, बीएलओ और बीएलए-2 की होगी अंतिम बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम-2026 के तहत आगामी 18 नवंबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर शुक्रवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैठक में उपायुक्त ने बताया कि 18 नवंबर को आयोजित होने वाले इस कैंप के माध्यम से पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का एक और



अवसर मिलेगा। इस दिन सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) की अंतिम बैठक भी आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिन पात्र नागरिकों के नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, वे इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा अनुपस्थित, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची में शामिल लोगों से संबंधित मामलों की भी समीक्षा कर उनका निराकरण किया जाएगा।

उपायुक्त ने कहा कि मतदान केंद्र क्षेत्र के ऐसे सभी पात्र नागरिक, जिन्होंने अब तक प्रपत्र-6 नहीं भरा है, उनसे कैंप में प्रपत्र-6, घोषणा पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े अन्य लंबित मामलों के निष्पादन पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी उदय रजक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिगरेट मांगने पर हुआ विवाद, दोस्त ने गोली मारकर की थी सोनू की हत्या

चर्चित हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार; हत्या में प्रयुक्त पिस्टल और मोबाइल बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला । आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सतवाहिनी-जमालपुर में 9 नवंबर की शाम हुए चर्चित सोनू कुमार हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामूली विवाद में दोस्त ने ही सोनू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विवाद की वजह सिगरेट मांगना बताया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी विशाल कुमार सिंह (26) को सापड़ा पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। उस-की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्टल और मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है।

आदित्यपुर थाना परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अनुभव भारद्वाज ने हत्याकांड की



जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृतक सोनू कुमार (पिता मनोज कुमार साव), सतबोहनी-जमालपुर का निवासी था, जबकि आरोपी विशाल कुमार सिंह (पिता दिनेश सिंह) सतवाहिनी का रहने वाला है। दोनों के बीच पिछले कई महीनों से गहरी दोस्ती थी। उनके परिवारों के बीच भी अच्छे संबंध थे।

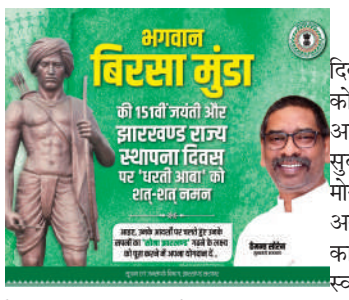
पुलिस के अनुसार, घटना वाले दिन शाम करीब 7:15 बजे दोनों दोस्त एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान सिगरेट मांगने की बात पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गुस्से में आकर विशाल ने पिस्टल निकालकर सोनू पर गोली चला दी। गोली लगने से सोनू की मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात के बाद बिहार भाग गया था आरोपी

हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी विशाल उसी रात डिमना चौक पहुंचा और वहां से बस पकड़कर बिहार के शेरघाटी फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष जांच टीम गठित की गई थी। टीम ने लगातार छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त पिस्टल और उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

झारखंड स्थापना दिवस पर रांची में निकलेगी रन फॉर क्लीनलीनेस, मोरहाबादी से अल्बर्ट एक्का चौक तक दौड़ेंगे शहरवासी



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची।झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 15 नवंबर को ह्यरन फॉर क्लीनलीनेसह्न का आयोजन किया जाएगा। रविवार सुबह 7 बजे बापू वाटिका, मोरहाबादी से दौड़ शुरू होगी, जो अल्बर्ट एक्का चौक तक पहुंचेगी. कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ जनभागीदारी के जरिए स्वच्छ झारखंड-स्वस्थ झारखंड का संदेश देना है।उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश पर यह कार्यक्रम हो रहा है।इसमें युवाओं, छात्र-छात्राओं, परिवारों, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है. उपायुक्त ने सभी प्रतिभागियों से निर्धारित समय से पहले बापू वाटिका पहुंचने की अपील की है।उपायुक्त ने नागरिकों से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने स्वच्छता को केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक जनभागीदारी का विषय बताते हुए लोगों से अपने शहर और राज्य को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि यह दौड़ केवल शारीरिक गतिविधि तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और स्वच्छता के सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का माध्यम भी है। राज्य स्थापना दिवस पर आयोजित इस पहल के जरिए नागरिकों को स्वच्छता अभियान से जोड़ने और समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जाएगा

हाईकोर्ट ने रिश्वत मामले में सेल के पूर्व सेक्शन ऑफिसर को किया बरी, सीबीआई कोर्ट की सजा रद्द

रांची(ईएमएस)।झारखंड हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में सीबीआई की विशेष अदालत का फैसला पलटते हुए सेल के पूर्व सेक्शन ऑफिसर प्रदीप कुमार को बरी कर दिया है।सीबीआई के अनुसार, ठेकेदार जितेंद्र कुमार सिंह (मेसर्स मां गीवच्छ एंटरप्राइजेज) ने 19 जून 2007 को शिकायत की थी कि प्रदीप कुमार सेल कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समिति का लेखा कार्य देखते हैं। आरोप था कि उन्होंने करीब 80,000 रुपये के बिलों का भुगतान कराने के बदले 8,000 रुपये रिश्वत मांगी।इसमें 6,000 रुपये अग्रिम और 2,000 रुपये भुगतान के बाद तय हुए थे।

सीबीआई ने उसी दिन जाल बिछाया। एजेंसी का दावा था कि आरोपी के कहने पर शिकायतकर्ता ने नोट कूलर पर रखी फाइल के नीचे रखे, जो बाद में बरामद हुए।विशेष न्यायाधीश, सीबीआई, रांची ने 10 जुलाई 2014 को प्रदीप कुमार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 13(2) सहपठित 13(1)(f) में दोषी ठहराया था। उन्हें धारा 7 में तीन साल और धारा 13(2) में चार साल का सश्रम कारावास, साथ में उन पर 5,000-5,000 रुपये जुमार्ना लगाया गया था।हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन रिश्वत की मांग, उसकी स्वीकृति और बरामदगी को साबित नहीं कर सका। अदालत ने ये बातें भी मानी कि आरोपी चेक जारी करने के लिए सक्षम नहीं था। चेक पर हस्ताक्षर करना समिति के सचिव का काम था।

नशे में धुत ट्रक चालक ने कार को 50 मीटर तक घसीटा, दो होमगार्ड जवान गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम।टाटा-चाईबासा नेशनल हाईवे-220 पर आयता गांव के पास शुक्रवार को एक नशे में धुत ट्रक चालक ने सड़क पर जमकर तांडव मचाया। तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार को टक्कर मारी और उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता चला गया। इस भयानक हादसे में सड़क किनारे ड्यूटी पर तैनात दो होमगार्ड जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, कुजू की तरफ से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक आयता गांव के पास पूरी तरह अनियंत्रित हो गया।उसने चाईबासा से जमशेदपुर जा रही एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त



थी कि कार ट्रक के आगे फंस गई और ड्राइवर उसे करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए आगे ले गया।इस दौरान सड़क किनारे खड़े सरायकेला जिले के दो होमगार्ड जवान वीरेंद्र प्रधान और सुनील प्रधान भी इस अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आ गए।हादसे में दोनों जवान गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े. उन्हें कमर, सिर और हाथ में गहरी चोटें आई हैं। गनीमत यह रही कि कार में एयरबैग समय पर खुल गया, जिससे कार चालक दानिश कमर (बड़ी बाजार, चाईबासा निवासी) बाल-बाल बच गए और सुरक्षित हैं।हादसे में एक कार और एक मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने भारी सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए ट्रक चालक को मौके पर ही दबोच लिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि चालक नशे में इतना धुत था कि उसे ठीक से खड़े होने या बात करने का भी होश नहीं था।हादसे की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।पुलिस ने दोनों घायल होमगार्ड जवानों को फौरन इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।इसके अलावा, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर थाने में जब्त कर लिया गया है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

छठ महापर्व पर सुरक्षा के होंगे कड़े इंतजाम, 1000 जवानों की होगी तैनाती



प्रमुख घाटों पर पुलिस बल के साथ गोताखोर रहेंगे तैनात, दो अर्घ्य के दौरान शहर में भारी वाहनों के प्र-वेश पर रोक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए धनबाद पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था तैयार की है। जिले के प्रमुख छठ घाटों पर एक हजार से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे। व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। यह जानकारी एसएसपी प्रभात कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख छठ घाटों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां बैरिकेडिंग कराई जाएगी। संवेदनशील और खतरनाक घाटों पर गोताखोरों की तैनाती भी होगी। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे घाटों पर आतिशबाजी न करें और गहरे पानी में जाने से बचें।

दोनों अर्घ्य के दौरान भारी वाहनों पर प्रतिबंध

छठ पूजा के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया जाएगा। पहले अर्घ्य के दिन 15 नवंबर को दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक तथा दूसरे अर्घ्य के दिन 16 नवंबर को रात 2 बजे से सुबह 9 बजे तक शहर के विभिन्न मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

इस दौरान यात्री बसों और भारी मालवाहक ट्रकों को मेमको मोड़ पर ही रोक दिया जाएगा। उन्हें शहर के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

इन मार्गों पर रहेगा यातायात प्रतिबंधरानी बांध तालाब के समीप सड़क की एक लेन पर वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। सिटी सेंटर से पूजा टॉकीज तक छोटे-बड़े सभी वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। इधर आने वाले वाहनों को रणधीर वर्मा चौक और डीआरएम चौक की ओर डायवर्ट किया जाएगा। पप्पू तालाब वाच एंड वार्ड कॉलोनी से रेलवे हॉस्पिटल तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। मनईटांड़ राजेंद्र साव पेट्रोल पंप से गोल बिल्डिंग तक निर्धारित अवधि में बसों और भारी वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा।इसके अलावा सड़क किनारे स्थित प्रमुख छठ घाटों तक जाने वाले रास्तों पर भी जरूरत के अनुसार यातायात नियंत्रित किया जाएगा।पुलिस प्रश-ासन ने श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

20 वर्षों से छठ की परंपरा निभा रहीं पूजा किन्नर, अपने जजमानों की सुख-समृद्धि के लिए करती हैं व्रत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

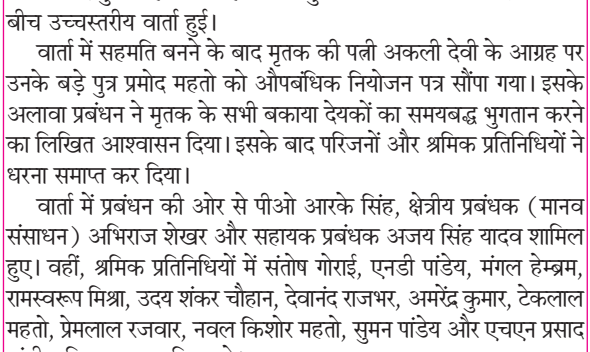
धनबादः । लोक आस्था के महापर्व छठ की शुरूआत नहाय-खाय के साथ हो गई है। कतरास कोयलांचल में भी छठी मैया की भक्ति और भगवान सूर्य की आराधना का माहौल है। इस बीच पूजा किन्नर अपनी अनूठी आस्था और समर्पण के कारण चर्चा में हैं। वह पिछले 20 वर्षों से लगातार छठ महापर्व का व्रत कर रही हैं। खास बात यह है कि वह अपने परिवार के बजाय अपने अन्नदाता जजमानों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए छठ पूजा करती हैं।

पूजा किन्नर ने बताया कि आमतौर पर लोग अपने पति, बच्चों और परिवार की सुख-समृद्धि तथा अच्छे स्वास्थ्य के लिए छठ व्रत करते हैं, लेकिन वह अपने जजमानों की खुशहाली की कामना के साथ यह कठिन अनुष्ठान करती हैं। उनके लिए छठ केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि अपने जजमानों के प्रति कृतज्ञता, विश्वास और समर्पण व्यक्त करने का माध्यम है।

पिछले दो दशकों से वह पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करती आ रही हैं। उनकी यह परंपरा समाज में आस्था और भक्ति की व्यापकता को दर्शाती है।

पूजा किन्नर की पहल यह संदेश देती है कि धार्मिक आस्था और भक्ति का किसी जाति, वर्ग या समुदाय से बंधन नहीं होता। श्रद्धा और विश्वास के सामने सामाजिक भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। छठी मैया की आराधना में सभी समान हैं।

ड्यूटी के दौरान बिगड़ी बीसीसीएल कर्मी की तबीयत, इलाज के दौरान रांची में मौत; आश्रित को मिला नियोजन



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बीसीसीएल के बरोरा क्षेत्र अंतर्गत एएमपी कोलियरी के मुराईडीह वर्कशॉप में कार्यरत ईपी फिटर लखीराम महतो (58) का गुरुवार देर रात रांची स्थित मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह खोदोवली बहालडीह बस्ती के निवासी थे। उनके निधन के बाद परिजनों ने आश्रित को नौकरी और उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर बरोरा क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष धरना दिया। प्रबंधन के साथ वार्ता के बाद मृतक के बड़े पुत्र प्रमोद महतो को औपबंधिक नियोजन पत्र सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार, 11 नवंबर को ड्यूटी के दौरान अचानक लखीराम महतो की तबीयत बिगड़ गई थी। परिजनों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वह अपने पीछे पत्नी अकली देवी, दो विवाहित पुत्र, दो पोते और एक पोती छोड़ गए हैं।

शुक्रवार सुबह परिजन शव लेकर सीधे बरोरा क्षेत्र के जीएम कार्यालय पहुंचे और आश्रित को नियोजन तथा उचित मुआवजा देने की मांग पर धरने पर बैठ गए। इसकी सूचना मिलते ही विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और आंदोलन को समर्थन दिया।

प्रबंधन की ओर से नियोजन प्रक्रिया में देरी किए जाने पर श्रमिक नेताओं ने नाराजगी जताई और मांग पूरी नहीं होने पर पूरे कोलियरी क्षेत्र में चक्का जाम करने की चेतावनी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो की पहल पर संयुक्त मोर्चा और कोलियरी प्रबंधन के बीच उच्चस्तरीय वार्ता हुई।

वार्ता में सहमति बनने के बाद मृतक की पत्नी अकली देवी के आग्रह पर उनके बड़े पुत्र प्रमोद महतो को औपबंधिक नियोजन पत्र सौंपा गया। इसके अलावा प्रबंधन ने मृतक के सभी बकाया देयकों का समयबद्ध भुगतान करने का लिखित आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों और श्रमिक प्रतिनिधियों ने धरना समाप्त कर दिया।

वार्ता में प्रबंधन की ओर से पीओ आरके सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अभिराज शेखर और सहायक प्रबंधक अजय सिंह यादव शामिल हुए। वहीं, श्रमिक प्रतिनिधियों में संतोष गोराई, एनडी पांडेय, मंगल हेम्ब्रम, रामस्वरूप मिश्रा, उदय शंकर चौहान, देवानंद राजभर, अमरेंद्र कुमार, टेकलाल महतो, प्रेमलाल रजवार, नवल किशोर महतो, सुमन पांडेय और एचएन प्रसाद गांधी सहित अन्य उपस्थित थे।

धनबाद में नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व शुरू, घाटों पर तैयारियां तेज

व्रतियों ने विधि-विधान से किया कद्दू-भात ग्रहण, बाजारों में छठ सामग्री की खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । कोयलांचल धनबाद में लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व को लेकर व्रतियों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। घरों से लेकर बाजारों और छठ घाटों तक तैयारियां तेज हो गई हैं। छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है।

महापर्व के पहले दिन व्रतियों ने स्नान कर भगवान सूर्य की आराधना की। इसके बाद पूरी पवित्रता और पारंपरिक विधि-विधान के साथ कद्दू-भात तैयार कर प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। परिवार के सदस्यों और बंधु-बांधवों के बीच भी प्रसाद का वितरण किया गया। इसी के साथ व्रतियों ने छठ व्रत का संकल्प लिया।

आज खरना, कल अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य

छठ महापर्व के दूसरे दिन शनिवार को खरना मनाया जाएगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को



स्नान और पूजा-अर्चना करेंगे। खरना के प्रसाद के रूप में गुड़ की खीर, गेहूं के आटे की रोटी और अन्य पारंपरिक पकवान तैयार किए जाएंगे। पूजा के बाद प्रसाद ग्रहण कर परिवार और श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाएगा। खरना के बाद व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू होगा। रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया जाएगा।

घाटों की सजावट और बाजारों में बढ़ी रौनक

छठ महापर्व को लेकर चित्तरंजन के अजय नदी घाट सहित आसपास के नदी और तालाबों के घाटों की साफ-सफाई और सजावट का काम तेजी से किया जा रहा है। वहीं, बाजा-रों में छठ पूजा की सामग्री की दुकानें सज गई हैं। खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

व्रती महिलाएं खरना के प्रसाद की तैयारी में जुटी हैं। गेहूं को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए धूप में सुखाया जा रहा है। घरों में पारंपरिक छठ गीत गूंज रहे हैं। आस्था, परंपरा, सामाजिक समरसता और स्वच्छता के प्रतीक इस महापर्व को लेकर श्रद्धालु तन-मन से तैयारियों में जुटे हैं।

नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ छठ महापर्व, सिंह मेंशन में विधायक रागिनी सिंह कर रहीं व्रत, महापौर संजीव सिंह निभा रहे साथ



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पूरे कोयलांचल में छठी मैया की भक्ति और भगवान सूर्य की आराधना का माहौल है। धनबाद के चर्चित सिंह मेंशन में भी पारंपरिक रीति-रिवाजों और पूरी श्रद्धा के साथ छठ महापर्व मनाया जा रहा है। झरिया की विधायक रागिनी सिंह इस वर्ष छठ व्रत कर रही हैं, जबकि उनके पति एवं धनबाद के महापौर संजीव सिंह पूजा की तैयारियों से लेकर सभी व्यवस्थाओं में उनका सहयोग कर रहे हैं।

खास बात यह है कि विधायक रागिनी सिंह अपनी सास एवं पूर्व विधायक कुंती सिंह की पारिवारिक छठ परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं। सिंह मेंशन में चार दिवसीय अनुष्ठान को लेकर उत्साह और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

विधायक रागिनी सिंह ने बताया कि पहले उनकी सास कुंती सिंह छठ महापर्व करती थीं। अब वह इस परंपरा का निर्वहन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि छठ आस्था, पवित्रता, अनुशासन और समर्पण का पर्व है। सच्चे मन और पूरी निष्ठा से छठी मैया की आराधना करने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि छठी मैया ने उनकी भी मनोकामनाएं पूरी की हैं।

वहीं, महापौर संजीव सिंह ने बताया कि सिंह मेंशन आवास के पीछे स्थित तालाब में परिवार के सदस्यों के अलावा आसपास के लोग भी छठ पूजा करते हैं। इसे देखते हुए तालाब की सजावट और अन्य जरूरी तैयारियां की जा रही हैं।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह और महापौर संजीव सिंह ने मुनीडीह से पहुंचीं छठव्रती महिलाओं के बीच साड़ियों का वितरण किया तथा उन्हें महापर्व की शुभकामनाएं दीं।

महापौर ने बताया कि नगर निगम की ओर से शहर के प्रमुख छठ घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी तैयारियां कराई जा रही हैं। जहां भी कमियां सामने आ रही हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। छठव्रतियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है।

छठ घाट का डीसी-एसएसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए उपायुक्त आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने पंपू तालाब छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने घाट पर चल रही तैयारियों, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और व्रतियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को घाट परिसर और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों की बेहतर साफ-सफाई कराने, समतलीकरण करने तथा पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था समय से पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने तालाब के गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां मजबूत बैरिकेडिंग कराने और खतरे के संकेतक लगाने को कहा। साथ ही किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए गोताखोरों की टीम तैनात रखने का निर्देश दिया।वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने छठ घाट और आसपास के क्षेत्रों में विधि-व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन को लेकर पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अर्घ्य के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। यातायात सुचारु रखने के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित करने और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर जरूरत के अनुसार रूट डायवर्जन लागू करने को भी कहा गया।

एसएसपी ने असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए लगातार गश्ती करने का निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने आम नागरिकों से प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने और स्वच्छता बनाए रखने की अपील की, ताकि छठ महापर्व श्रद्धा, उत्साह और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के पदाधिकारी, संबंधित थाना प्रभारी और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कतरी नदी छठ घाट का मेयर, ग्रामीण एसपी और बाघमारा विधायक ने किया निरीक्षण, सुरक्षा व सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर कतरास स्थित सूर्य मंदिर कतरी नदी छठ घाट पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शुक्रवार को धनबाद के मेयर संजीव कुमार सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और ग्रामीण एसपी मो. याकूब ने संयुक्त रूप से घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया।



निरीक्षण के दौरान मेयर संजीव कुमार सिंह ने कहा कि घाट की साफ-सफाई में कुछ कमियां रह गई हैं, जिन्हें जल्द दूर कर लिया जाएगा। प्रशासन का प्रयास है कि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। कतरी नदी के संरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि नदी को बचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए मिलकर प्रयास करने की जरूरत है।

नगर निगम के मजदूरों के मानदेय और कार्य अवधि को लेकर उन्होंने कहा कि यदि कर्मचारियों से आठ घंटे से अधिक काम लिया जा रहा है, तो उन्हें नियमानुसार ओवरटाइम का भुगतान किया जाना चाहिए।

वहीं, विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि छठ पूजा समिति के साथ वे पिछले आठ दिनों से लगातार घाट का निरीक्षण कर रहे हैं। इस घाट पर हजारों श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि पहले घाट पर काफी गंदगी थी। समिति के सदस्यों की सूचना के बाद उन्होंने लगातार सफाई कार्य की निगरानी की। अब घाट को साफ कर पूजा के लिए तैयार कर लिया गया है।

ग्रामीण एसपी मो. याकूब ने कहा कि छठ के दौरान घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इसे देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। घाट पर महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती होगी। महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले असामाजिक तत्वों पर सीसीटीवी कैमरों और पुलिसकर्मियों के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने छठ पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने का भरोसा दिलाया।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी मेयर अरुण कुमार चौहान, वार्ड संख्या चार के पार्षद राममूर्ति सिंह, वार्ड संख्या पांच की पार्षद निरुपमा देवी, वार्ड तीन के पार्षद प्रतिनिधि, पूजा कमेटी के सदस्य भरत शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड स्थापना दिवस पर धनबाद में होंगे कई कार्यक्रम, डीसी ने तैयारियों की समीक्षा की

15 और 17 नवंबर को चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान, अस्पतालों में लगेंगे रक्तदान शिविर; कई विकास योजनाओं का होगा उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । झारखंड राज्य स्थापना दिवस (15 नवंबर) और वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर धनबाद जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी तैयारियों को लेकर श-ुक्रवार को उपायुक्त आदित्य रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्यक्रमों का सफल और व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बताया कि 15 और 17 नवंबर को जिले में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 15 नवंबर को जिला, प्रखंड और पंचायत मुख्यालयों से नजदीकी छठ घाट तक 'रन फॉर क्लीनलीनेस' का आयोजन होगा। इसके बाद घाटों की सफाई की जाएगी। वहीं, 17 नवंबर को छठ पूजा के उपरांत विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

अस्पतालों में रक्तदान शिविर, विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताएं

18 नवंबर को जिले के प्रसिद्ध चित्रकारों के लिए माइनिंग टूर आयोजित किया जाएगा। वहीं, 17 से 25 नवंबर तक जिले के सभी स-रकारी और निजी अस्पतालों में रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।



शैक्षणिक गतिविधियों के तहत सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 और कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग वर्गों में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। महाविद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

डॉक्यूमेंट्री के जरिए दिखाई जाएगी जिले की पहचान

धनबाद की विशिष्ट पहचान और आर्थिक गतिविधियों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट', 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डेस्टिनेशन' और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन इकोनॉमिक एक्टिविटी' के तहत विशेष ऑडियो-विजुअल डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्मों का निर्माण किया जाएगा।

कई महत्वपूर्ण योजनाओं और भवनों का होगा उद्घाटन

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर जिले में कई महत्वपूर्ण योजनाओं और आधारभूत संरचनाओं का उद्घाटन किया जाएगा। इनमें श्रमिक सम्मान चौक, सदर अस्पताल का मॉड्यूलर ओटी, एसएनएमसीएच का मुख्य द्वार, नवीनीकृत सर्किट हाउस, अपर समाहर्ता का कार्यालय कक्ष, 'खेलो धनबाद' पोर्टल प्रशिक्षण हॉल तथा एसएसएलएनटी में नवनिर्मित वार्ड शामिल हैं।

बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारेगे, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) अरविंद कुमार ओझा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन सहित अन्य पदाधिकारी एवं जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे।

बांधों की सुरक्षा और बाढ़ के खतरे का आकलन करने धनबाद में जुटे नौ आईआईटी के विशेषज्ञ

आईआईटी आईएसएम में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू, डैम टूटने की स्थिति में बाढ़ के प्रभाव और बचाव की तकनीकों पर मंथन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद । बांधों की सुरक्षा का वैज्ञानिक आकलन करने और उनके टूटने की स्थिति में संभावित बाढ़ के फैलाव एवं नुकसान का अनुमान लगाने के उद्देश्य से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। 'डैम सेफ्टी एंड डैम-ब्रेक फ्लड रिस्क असेसमेंट' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में देश के नौ आईआईटी के विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं।संस्थान के सेंटेनरी ईयर के तहत सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन और आईआईटी गुवाहाटी के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब का सहयोग प्राप्त है। आईआईटी (आईएसएम) के टैक्समीन हॉल में आयोजित उद्घाटन समारोह में आईआईटी रुड़की के प्रोफेसर एवं चेयर प्रोफेसर चंद्र शेखर प्रसाद ओझा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्थान की डीन (कंटिन्यूइंग एजुकेशन एंड आउटरीच) प्रो. केका ओझा ने भी अपने विचार रखे।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजीब सरकार ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यशाला के कन्वेनर प्रो. अभिषेक कुमार पांडेय ने आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी, जबकि को-कन्वेनर प्रो. शुशोभित चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



बांधों की सुरक्षा के साथ जनजीवन की रक्षा भी जरूरी

प्रो. अभिषेक कुमार पांडेय ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य बांधों की सुरक्षा और उनके टूटने से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए सैद्धांतिक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।प्रो. राजीब सरकार ने कहा कि बांध देश की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाएं हैं। सिंचाई, बिजली उत्पादन, जलापूर्ति और बाढ़ नियंत्रण में इनकी अहम भूमिका है। लेकिन बांधों की मजबूती के साथ उनके आसपास और निचले इलाकों में रहने वाली आबादी की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बांध टूटने की घटनाएं भले ही कम होती हों, लेकिन इनके परिणाम जान-माल और बुनियादी ढांचे के लिए बेहद गंभीर हो सकते हैं।

प्रो. केका ओझा ने कहा कि संस्थान अपने शताब्दी वर्ष के दौरान कार्यशालाओं, सम्मेलनों और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से उद्योग जगत तथा शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ा रहा है। उन्होंने नेपाल और सिक्किम में हाल की आपदा संबंधी घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बांधों की डिजाइन, सुरक्षा और जोखिम आकलन में लापर-वाही भारी नुकसान का कारण बन सकती है।मुख्य अतिथि प्रो. चंद्र शेखर प्रसाद ओझा ने कहा कि बांध टूटने से उत्पन्न बाढ़ का आकलन केवल अकादमिक विषय नहीं है, बल्कि यह आम लोगों की सुरक्षा और आधारभूत संरचनाओं की बेहतर योजना से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में विभिन्न आईआ-ईटी के विशेषज्ञों ने बांध सुरक्षा से जुड़ी आधुनिक तकनीकों और अनुसंधान पर व्याख्यान दिए। आ-ईआईटी खड़गपुर के प्रो. ध्रुबज्योति सेन ने बांध में कटाव के कारण होने वाली टूट-फूट के सिमुलेशन के लिए कंप्यूटेशनल मेथड और टूल्स की जानकारी दी।

14-11-2026 T.P. Page 4_Layout 1 14-11-2026 07:39 Page 1

संक्षिप्त खबरें

शराब लदा ट्रक लेकर फरार चालक की हत्या का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार; 726 पेटी शराब और हथियार बरामद



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । रांची के तुपुदाना इलाके से शराब लदे ट्रक के गायब होने और उसके चालक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर 726 पेटी शराब, हथियार, कार और वारदात में इस्तेमाल अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

बरही के डीएसपी राधा प्रेम किशोर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 11 नवंबर को हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रक चालक की हत्या में शामिल अपराधी चौपारण-इटखोरी मुख्य मार्ग पर महाराजगंज के पास हथियार लेकर घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर चौपारण पुलिस और रांची की तुपुदाना पुलिस ने संयुक्त टीम गठित कर इलाके में वाहन जांच शुरू की।

इसी दौरान वैगनआर कार में सवार दो संदिग्धों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और गोलियां बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चतरा जिले के ईटखोरी थाना क्षेत्र के परसौनी निवासी रणविजय सिंह (34) और हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के दैहर निवासी विशाल कुमार सिंह (27) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है।

पूछताछ में आरोपियों ने ट्रक चालक की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पहले चालक की हत्या की और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को कंबल, तार और पत्थर से बांधकर चौपारण के दैहर पकरिया गांव स्थित एक कुएं में फेंक दिया था।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर लूटी गई शराब और घटना में इस्तेमाल किए गए सामान बरामद किए हैं। इस संबंध में चौपारण थाना कांड संख्या 285/26 तथा रांची के धुर्वा/तुपुदाना ओपी कांड संख्या 286/26 के तहत मामले दर्ज हैं।

पुलिस अब इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश और पूरे आपराधिक नेटवर्क की जांच में जुटी है।

एचईसी कर्मियों के वेतन भुगतान पर संकट गहराया, श्रमिक संगठनों ने सुबोधकांत सहाय से लगाई गुहार



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । एचईसी कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान का मामला एक बार फिर गंभीर हो गया है। वेतन संकट से परेशान विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। श्रमिक नेताओं ने कंपनी की मौजूदा स्थिति और कर्मचारियों के सामने उत्पन्न आर्थिक संकट को लेकर विस्तार से चर्चा की।

प्रतिनिधियों ने बताया कि हाल ही में ट्रिब्यूनल के एक आदेश के बाद एचईसी के सभी निदेशकों के अधिकार जब्त कर लिए गए हैं। इससे कंपनी का प्रशासनिक और वित्तीय कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों के लंबित वेतन भुगतान की प्रक्रिया भी बाधित हो सकती है।

श्रमिक नेताओं ने कहा कि लंबे समय से वेतन का नियमित भुगतान नहीं होने के कारण कर्मचारियों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है। बच्चों की पढ़ाई, इलाज और घरेलू जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

श्रमिक संगठनों ने सुबोधकांत सहाय से आग्रह किया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार और संबंधित मंत्रालय के समक्ष कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं। साथ ही एचईसी में सामान्य कामकाज बहाल कराने और बकाया वेतन का जल्द भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पहल करें।

श्रमिक प्रतिनिधियों को उम्मीद है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री के हस्तक्षेप से केंद्र सरकार का ध्यान एचईसी की बदहाल स्थिति और कर्मचारियों की परेशानियों की ओर आकर्षित होगा। अब कर्मचारियों की निगाहें वेतन भुगतान और कंपनी के भविष्य को लेकर होने वाली सकारात्मक पहल पर टिकी हैं।

भूषण बाड़ा की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा का अल्टीमेटम, राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा की तत्काल गिरफ्तारी और कथित यौन शोषण मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी मांग उठाई। साहू ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि पर 14 वर्षीय आदिवासी बच्ची के यौन शोषण, दुष्कर्म और गर्भपात कराने जैसे गंभीर आरोप लगना बेहद चिंताजनक है।

आदित्य साहू के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि विधायक ने पढ़ाई और बेहतर भविष्य का भरोसा देकर उसे अपने आवास पर बुलाया था। बच्ची ने विधायक के परिजनों पर मारपीट और प्रताड़ना के आरोप भी लगाए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मामले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

साहू ने राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पार्टी अपने विधायक के खिलाफ क्या कदम उठाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो नेतृत्व से भी स्पष्ट करने को कहा कि गठबंधन सरकार आरोपी विधायक को संरक्षण देगी या पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विधायक की गिरफ्तारी और पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो भाजपा सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी। जरूरत पड़ने पर पूरे राज्य में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने 251 छठव्रतियों के बीच बांटे सूप और दौरा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने धुर्वा में 251 छठव्रती महिलाओं के बीच सूप और दौरा का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने छठव्रती माताओं एवं बहनों को पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रति सम्मान और सहयोग की भावना व्यक्त की।





श्री सेठ ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा प्रतीक है। यह पर्व आत्मसंयम, अनुशासन, स्वच्छता, पवित्रता, सामाजिक समरसता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना से जुड़ा यह महापर्व समाज में सेवा, सहयोग और सामूहिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत करता है।

उन्होंने कहा कि छठव्रती माताओं एवं बहनों की सेवा करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। छठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि संस्कृतिक एकता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने वाला महापर्व भी है।

इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया और भगवान भास्कर से समस्त झारखंडवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू, महामंत्री बलराम सिंह एवं जितेंद्र वर्मा, कामेश्वर सिंह, उमेश यादव, वीरेंद्र यादव, चंदन पटेल और दीपक लोहरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा की गिरफ्तारी की मांग पर भाजपा ने किया धुर्वा थाना का घेराव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । गुमला के कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग आदिवासी बच्ची द्वारा लगाए गए कथित यौन शोषण के आरोपों को लेकर भाजपा ने शुक्रवार को धुर्वा थाना का घेराव किया। भाजपा रांची महानगर जिला के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी विधायक की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की।

महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। वरुण साहू ने कहा कि नाबालिग बच्ची द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप बेहद चिंताजनक हैं। यह मामला केवल एक बच्ची की सुरक्षा का नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के सम्मान और न्याय व्यवस्था पर विश्वास से भी जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि कानून की नजर में सभी समान हैं। किसी जनप्रतिनिधि का राजनीतिक पद या प्रभाव कानूनी कार्रवाई में बाधा नहीं बनना चाहिए। पुलिस प्रशासन मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच करे और आरोपी विधायक की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करे। साथ ही पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि उन पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जा सके।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सीमा सिंह ने कहा कि नाबालिग बच्ची से जुड़े यौन शोषण के आरोप अत्यंत गंभीर और संवेदनशील हैं। महिला सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता केवल बयानों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पीड़िता को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीड़िता की पहचान गोपनीय रखने, उसे पर्याप्त सुरक्षा एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा मामले में शीघ्र कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई।

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने दामन की चिंता करें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों पर आरोप लगाने से पहले भाजपा नेताओं को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। जिनकी अपनी बनियान में छेद हैं, उन्हें दूसरों के फटे कुर्ते पर टिप्पणी करने से पहले अपने दामन की चिंता करनी चाहिए।

राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा दूसरों को नैतिकता और जवाबदेही का पाठ पढ़ाने से पहले अपने नेताओं से जुड़े गंभीर सवालों का जवाब दे। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड और एपस्टीन फाइल से संबंधित सार्वजनिक चचाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा से इन मुद्दों पर अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की। कांग्रेस मीडिया प्रभारी ने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप लगना या प्राथमिकी दर्ज होना उसे दोषी साबित नहीं करता। कांग्रेस विधायक के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है और अब जांच एजेंसियां अपना काम करेंगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा नेता अब न्यायपालिका की भूमिका भी खुद निभाने लगे हैं? क्या किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष घोषित करने का अधिकार भाजपा के नेताओं के पास है? उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने से पहले राजनीतिक बयानबाजी करना और खुद ही फैसला सुना देना उचित नहीं है।

बड़ा तालाब छठ घाट का रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने ऐतिहासिक बड़ा तालाब स्थित छठ घाट का निरीक्षण कर तैयारियों और उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा, स्वच्छता और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था समय रहते पूरी करने का निर्देश दिया।निरीक्षण के दौरान श्री सेठ ने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना के लिए घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए प्रशासन को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करनी होंगी।उन्होंने कहा कि छठ हमारी लोकआस्था, पवित्रता, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। पर्व की गरिमा बनाए रखने के लिए घाटों पर स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।



श्री सेठ ने अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने तथा नियमित रूप से व्यवस्थाओं की निगरानी करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ भगवान सूर्य की उपासना कर सकें।

इस अवसर पर उप नगर आयुक्त रवींद्र कुमार, राजीव रंजन मिश्रा, राजेश कुमार सिन्हा, सपन विश्वास, विशाल मिश्रा एवं पिंटू घोष सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

निशा भगत आत्महत्या मामला: ज्योत्सना केरकेट्टा बोलीं- वैचारिक मतभेद को व्यक्तिगत दुश्मनी न समझें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । निशा भगत आत्महत्या मामले में एफआईआर में नामजद ज्योत्सना केरकेट्टा ने शुक्रवार को मीडिया के सामने अपनी सफाई पेश की। उन्होंने निशा भगत के निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि उनके और निशा भगत के बीच वैचारिक मतभेद जरूर थे, लेकिन कभी व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि निशा भगत के पिता को गुमराह कर एफआईआर में उनका नाम शामिल कराया गया है।

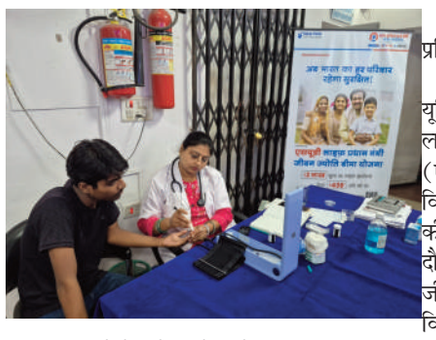


ज्योत्सना ने कहा कि कुड़मी आंदोलन के दौरान उन्होंने अपनी विचारधारा और पक्ष को मजबूती से रखा था। इस दौरान निशा भगत के साथ उनके विचारों में असहमति थी, लेकिन इसे व्यक्तिगत दुश्मनी का रूप देना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को लेकर कई नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी होती है। क्या भविष्य में किसी के साथ कोई अप्रिय घटना होने पर उसके वैचारिक विरोधी को जिम्मेदार ठहरा दिया जाएगा?

उन्होंने निशा भगत को मजबूत और बेबाक महिला बताते हुए कहा कि वह सोशल मीडिया पर अपनी बात खुलकर रखती थीं और आलोचनाओं से पीछे नहीं हटती थीं। ज्योत्सना ने आरोप लगाया कि निशा भगत का पहले इस्तेमाल किया गया और बाद में उनसे दूरी बना ली गई। उन्होंने दावा किया कि निशा भगत के निशा उरांव के संपर्क में आने के बाद समाज के कई लोगों ने उनसे किनारा कर लिया था। उनके अनुसार, सामाजिक अलगाव और अकेलापन भी उनके निधन की वजहों में शामिल हो सकता है।इस दौरान ज्योत्सना केरकेट्टा ने भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि निशा भगत के निधन के बाद इन संगठनों के लोग मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आदिवासी महिला नेतृत्व को कमजोर करने की साजिश का भी आरोप लगाया।

ज्योत्सना केरकेट्टा ने मामले की सीबीआई जांच का समर्थन करते हुए कहा कि वह जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग करेंगी। सीबीआई उन्हें पूछताछ के लिए जहां भी बुलाएगी, वह वहां जाने को तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस मामले में अपनी लड़ाई लड़ने से पीछे नहीं हटेंगी।

झारखंड में बीमा जागरूकता अभियान के तहत 50 बैंक शाखाओं में लगाए गए स्वास्थ्य जांच शिविर



ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस (एसयूडी लाइफ) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के दौरान लोगों को जीवन बीमा और वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की झारखंड स्थित 50 शाखाओं में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए गए, जिनमें 3,500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। शिविरों में लोगों की रक्त शर्करा, वजन, रक्तचाप और हृदय गति की जांच की गई। स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ कंपनी की टीम ने लोगों को जीवन बीमा के महत्व और परिवार के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित रखने की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से संबंधित सूचना पत्रक भी वितरित किए गए। इसके तहत पात्र बैंक खाताधारकों को कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। लोगों को बीमा दावा करने की प्रक्रिया और शिकायतों के निवारण से जुड़ी व्यवस्था के बारे में भी बताया गया। एसयूडी लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभय तेवारी ने कहा कि सरल और स्पष्ट जानकारी के माध्यम से लोगों को अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा के प्रति जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना कई लोगों के लिए जीवन बीमा की दिशा में पहला कदम साबित हो सकती है। बीमा का लाभ लेने के साथ-साथ दावा प्रक्रिया की जानकारी होना भी महत्वपूर्ण है। कंपनी '2047 तक सभी के लिए बीमा' के राष्ट्रीय लक्ष्य को समर्थन देने के लिए ऐसे जागरूकता अभियान आगे भी जारी रखेगी।

ई-कल्याण छात्रवृत्ति भुगतान में देरी पर छात्रों ने राज्यपाल से लगाई गुहार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । झारखंड में ई-कल्याण छात्रवृत्ति का भुगतान लंबे समय से लंबित रहने के विरोध में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) ने आंदोलन तेज कर दिया है। शुक्रवार को अफजल दुरानी के नेतृत्व में फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर 12 सूत्री मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रवृत्ति भुगतान में हो रही देरी सहित विद्यार्थियों की विभिन्न शैक्षणिक समस्याओं से राज्यपाल को अवगत कराया।

फेडरेशन के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2023-24, 2024-25 और 2025-26 की छात्रवृत्ति अब तक विद्यार्थियों को नहीं मिली है। इसका सबसे अधिक असर आर्थिक रूप से कमजोर पिछड़ा वर्ग के छात्रों पर पड़ रहा है। छात्रवृत्ति के अभाव में हजारों विद्यार्थी कॉलेज की फीस जमा नहीं कर पा रहे हैं। कई संस्थानों में नामांकन रद्द होने और विद्यार्थियों के नाम काटे जाने की स्थिति पैदा हो गई है। वहीं, कुछ छात्रों को परीक्षा में शामिल होने से भी रोका जा रहा है।

फेडरेशन के प्रदेश सह सचिव अफजल दुरानी ने कहा कि छात्रवृत्ति गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। हजारों छात्र इसी आर्थिक सहायता के भरोसे अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।उन्होंने बताया कि 5 नवंबर को फेडरेशन के नेतृत्व में सैकड़ों विद्यार्थियों ने रांची में छात्रवृत्ति महाआंदोलन किया था।

कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर आरोप, पॉक्सो के तहत एफआईआर के लिए ऑनलाइन आवेदन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची । राजधानी रांची में एक नाबालिग आदिवासी लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न का गंभीर मामला सामने आया है। सिमडेगा की 14 वर्षीय लड़की ने कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर रांची के धुर्वा स्थित विधायक आवास में दुष्कर्म करने, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए पुलिस को ऑनलाइन आवेदन दिया गया है।



पीड़िता की ओर से दिए गए आवेदन के अनुसार, मई 2026 में एमा बड़ा और जोसिमा खाखा नामक दो महिलाएं उसे पढ़ाई कराने और स्कूल में नामांकन दिलाने का भरोसा देकर सिमडेगा विधायक आवास ले गई थीं। बाद में उसे रांची स्थित विधायक आवास लाया गया, जहां उससे घरेलू काम कराया जाने लगा।

लड़की का आरोप है कि रांची और सिमडेगा स्थित दोनों आवासों में उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता था। काम में थोड़ी भी देरी होने पर मारपीट की जाती थी और गाली-गलौज के साथ पर्याप्त भोजन भी नहीं दिया जाता था। विरोध करने पर उसे असहाय बताकर डराया-धमकाया जाता था।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 5 अगस्त 2026 को रांची के विधायक आवास संख्या-12 में दोपहर के समय विधायक भूषण बाड़ा ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर उसका मुंह बंद कर कथित रूप से दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद किसी को जानकारी देने पर जान से मारकर फेंक देने की धमकी भी दी गई। भयभीत पीड़िता अगले दिन किसी तरह अपने गांव सिमडेगा लौट गई।

पीड़िता के अनुसार, घर पहुंचने के बाद उसे अपनी शारीरिक स्थिति का पता चला। कथित प्रताड़ना और बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण उसकी हालत गंभीर हो गई। अनाथ और असहाय होने के बावजूद उसने साहस जुटाकर न्याय की मांग की है।

पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपी विधायक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने तथा कथित घटना में सहयोग करने वाली महिलाओं की भूमिका की भी जांच करने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

छठ महापर्व : संवेदनशील रेल ट्रैक प्वाइंट पर आरपीएफ- जीआरपी की होगी तैनाती



श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ट्रेनों की गति भी होगी नियंत्रित,सुरक्षा का हाई अलर्ट

गया जी (एजेंसी) : लोक आस्था का छठ महापर्व के दौरान गया जंक्शन सहित आसपास के स्टेशनों से होकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ घाटों तक पहुंचते हैं। इस दौरान रेल ट्रैक पार कर घाट जाने वाले व्रतियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर रेलवे अलर्ट हो गया है। रेल ट्रैक पार करने के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हो इसके लिए आरपीएफ और जीआरपी की ओर से विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती होगी और रेल ट्रैक पार करने वाले श्रद्धालुओं पर विशेष नजर रखी जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को रेल डीएसपी गुलशन कुमार और सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आरपीएफ-जीआरपी के अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें छठ के दौरान सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ जरूरतमंद श्रद्धालुओं को सहायता उपलब्ध कराने की रणनीति बनाई गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गया जंक्शन के समीप बागेश्वरी रेल फाटक, कॉलोनी सेक्टर, 7 और 8 ईश्वर चौधरी हॉल्ट और फल्गु रेलवे ब्रिज के आसपास ऐसे



संवेदनशील प्वाइंट चिह्नित किए गए हैं जहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल ट्रैक पार कर छठ घाटों तक जाते हैं। इन स्थानों पर भीड़ को देखते हुए विशेष निगरानी रखी जाएगी।चिह्नित रेल ट्रैक प्वाइंट के आसपास से गुजरने वाली ट्रेनों का परिचालन निर्धारित नियंत्रित गति से कराया जाएगा। इन स्थानों पर ट्रेनें धीमी गति से गुजरेंगी ताकि किसी आपात स्थिति में दुर्घटना की आशंका कम की जा सके। यह विशेष व्यवस्था रविवार को पहले अर्घ्य और सोमवार को दूसरे अर्घ्य के दौरान लागू रहेगी। पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में शुक्रवार को गया जंक्शन सहित गया-मानपुर और गया-परैया सेक्शन पर विशेष सुरक्षात्मक गस्ती अभियान चलाया गया। इस दौरान रेल ट्रैक पार करने वाले चिन्हित स्थानों की समीक्षा की गई। साथ ही तैनात किए जाने वाले अधिकारी और जवानों को विशेष निर्देश दिया गया। छठ त्यौहार को लेकर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने के लिए आरपीएससी की टीम और आरपीएफ व जीआरपी की अतिरिक्त टीम की प्रतिनियुक्ति की गई है।

हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा

सामूहिक मूर्ति विसर्जन में उमड़े श्रद्धालु, अतिथियों का हुआ स्वागत

गयाजी (एजेंसी) : श्री चित्रगुप्त परिवार कल्याण समिति ब्राह्मणीघाट की ओर से भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा-अर्चना हर्षोल्लास और धूमधाम से संपन्न हुई। पंडित ऋषि नंदन शास्त्री ने विधि-विधान से पूजन कराया। समिति के संयोजक अजय शंकर दफ्तुआर ने भगवान की प्रतिमा तथा वार्ड पार्षद संजय कुमार सिन्हा ने फल-प्रसाद की व्यवस्था में सराहनीय सहयोग दिया।कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व डिप्टी मेयर सह सशक्त समिति सदस्य अखौरी ओंकारनाथ श्रीवास्तव उर्फ मोहन श्रीवास्तव का स्वागत किया गया। इसके बाद अखौरी शैलेन्द्र सिन्हा, जितेंद्र कुमार सिन्हा एवं संजय कुमार सिन्हा टाइपिस्ट के संयुक्त नेतृत्व में सामूहिक रूप से प्रतिमा विसर्जन किया गया।इस अवसर पर अजय कुमार सिन्हा बुल्ली, अंजनी कुमार सिन्हा, प्रीतम श्रीवास्तव चुननु, गणेश प्रसाद, रवि रंजन मंटु, सुधीर कुमार सिन्हा राजू, संजय जयपुरियार, कमलेश कमल, संजय अम्बष्ठा, गजेंद्र कुमार सिन्हा मुन्ना सहित दर्जनों लोगों ने सहयोग किया। अंत में आय-व्यय का पूरा ब्योरा प्रस्तुत किया गया। जितनी आय हुई, उतना ही व्यय दिखाते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

सहरसा में 38 छठ घाटों को प्रशासन ने किया खतरनाक घोषित, श्रद्धालुओं से सतर्कता बरतने की अपील

सहरसा, (एजेंसी) : ।लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर जिला प्रशासन ने सहरसा जिले के विभिन्न प्रखंडों में 38 छठ घाटों को खतरनाक घोषित किया है।

इन घाटों पर अर्घ्य देने और स्नान करने के दौरान श्रद्धालुओं को विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि श्रद्धालु पानी में लगाए गए बैरिकेडिंग और खतरे के निशान को किसी भी परिस्थिति में पार न करें तथा गहरे पानी में प्रवेश करने से बचें।

प्रशासन द्वारा जारी सूची के अनुसार महिषी थाना क्षेत्र के महपुरा, सरौनी, मैना महादलित एवं बल्लीपुर घाट, सौरबाजार के सुखड़ पडेजी, शीतलपट्टी, बेलदारी, भेलवा जिवछपुर, गौर, तीन मुहानी एवं दाहु भरना घाट को खतरनाक बताया गया है। वहीं कनरिया के बेलवड़ा घाट, बसनही के सोन, बिजलियां, झिटकिया पुल एवं तहुआ मुसहरी घाट भी इस सूची में शामिल हैं।

इसी प्रकार सोनवर्षाराज के जम्हरा, लगमा, दुनरा, पदमपुर, मोहनपुर, मैनापुल, मनौरी पुल एवं सोहा घाट, सलखुआ के सलखुआ, सितुआहा, बहुअरवा, गोसपुर एवं मुबारकपुर घाट तथा पतरघट के शीतलपट्टी नदी, विशनपुर नदी, कहुआ बजरंगी कुटी पोखर एवं पीपरा नदी घाट को संवेदनशील घोषित किया गया है। बनमा ईटहरी के बहुअरवा पूर्वी एवं पश्चिमी घाट, सुगमा पुल, परसाहा, अकराहा धार (मुँडीचक) और गोड़यारी धार (अफजलपुर) को भी खतरनाक घाटों की सूची में रखा गया है।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से बच्चों और बुजुर्गों को गहरे पानी से दूर रखने तथा घाटों पर उन पर विशेष निगरानी रखने की अपील की है। आपातकालीन स्थिति में घाट पर तैनात अधिकारियों, एसडीआरएफ की टीम या स्वयंसेवकों को तत्काल सूचना देने को कहा गया है।

प्रशासन ने कहा है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी लोग सावधानी और सतर्कता के साथ छठ महापर्व मनाएं। किसी भी आपात स्थिति में आपदा नियंत्रण कक्ष के नंबर 06478-222753 अथवा 93041-44908 पर संपर्क किया जा सकता है।

1.74 लाख रुपये मूल्य के 31 रेल टिकट के साथ टिकट दलाल गिरफ्तार

धनबाद/ गया जी (एजेंसी) : गया-गोमो रेल सेक्शन पर छठ महापर्व को लेकर आरपीएफ की टीम द्वारा रेलवे टिकटों की कालाबाजारी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल की आरपीएफ टीम को बड़ी सफलता मिली है। गोमो आरपीएफ की टीम ने पारसनाथ के मधुबन स्थित रेलवे यात्री आरक्षण केंद्र (पीआरएस) से लगातार तीन दिनों तक बड़ी संख्या में टिकट कटाकर उनकी कालाबाजारी करने वाले मुंबई के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके पास से अलग-अलग स्थानों के कुल 31 रेल यात्रा टिकट बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 1 लाख 74 हजार 630 रुपये बताई गई है। इन दिनों रेलवे बोर्ड नव पदस्थापित आरपीएफ के डीजी वरीय आइपीएफ अधिकारी जितेंद्र कुमार के दिये गए दिशा निर्देश के आलोक में पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के मॉनिटरिंग में टिकट दलालों के खिलाफ विशेष अभियान तेज किया गया है। इसी के तहत गोमो आरपीएफ को 12 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गिरिडीह जिले के मधुबन स्थित सिद्धायतन चैरिटेबल स्प्रिचुअल होम धर्मशाला के कमरा नंबर 226 में एक व्यक्ति बड़ी संख्या में रेल टिकट लेकर ठहरा हुआ है। सूचना के सत्यापन के लिए आरपीएफ पोस्ट गोमो के इंस्पेक्टर विमल कुमार के नेतृत्व में टीम और अपराध आसूचना शाखा (सीआईबी) धनबाद के सहायक उप निरीक्षक शशिकांत तिवारी ने स्थानीय पुलिस के समन्वय से धर्मशाला में छापेमारी की।

धर्मशाला प्रबंधक से पूछताछ के बाद कमरा नंबर 226 खुलवाकर तलाशी ली गई। वहां मौजूद युवक ने अपनी पहचान भाविक जसवंत राय



मधुबन टिकट काउंटर से टिकट कटाकर कालाबाजारी करने वाला मुंबई का युवक को गोमो आरपीएफ टीम ने पकड़ा

धर्मशाला के कमरे में छापेमारी कर आरपीएफ ने दबोचा, तीन दिनों से काट रहा था टिकट

सूचक (33 वर्ष), निवासी मालाड पश्चिम, मुंबई, महाराष्ट्र के रूप में बताई। उसके बैग की तलाशी उसकी सहमति से ली गई, जिसमें 31 रेल यात्रा टिकट मिले।

जरूरतमंद यात्रियों को महंगे दाम पर बेचता था टिकट

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पिछले तीन दिनों से मधुबन रेलवे टिकट काउंटर से अलग-अलग स्थानों के टिकट कटवा रहा था। इसके बाद जरूरतमंद यात्रियों को प्रत्येक टिकट पर दो से तीन हजार रुपये अधिक लेकर बेच देता था। आरपीएफ ने बरामद सभी टिकटों को अवैध रूप से प्राप्त कर कालाबाजारी के उद्देश्य से रखने के आरोप में जब्त कर लिया।

कार्रवाई के दौरान 12 नवंबर को शाम 4:45 बजे टिकटों की विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई और 4:50 बजे आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना उसके भाई किशन सूचक को भी दी गई।इस मामले में सहायक उप निरीक्षक शशिकांत तिवारी के शिकायत पत्र के आधार पर आरपीएफ पोस्ट गोमो में मामला संख्या 789/26, दिनांक 12 नवंबर 2026 को रेलवे अधिनियम की धारा 143 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले की जांच उप निरीक्षक आनंद आलोक को सौंपी गई है। अभियान में इंस्पेक्टर विमल कुमार, सब इंस्पेक्टर आनंद आलोक, सहायक सब इंस्पेक्टर सीआईबी शशिकांत तिवारी, हेड कांस्टेबल पी.सी. महतो, कांस्टेबल सुनील कुमार, नीरज पासवान, उमापति सिंह,अमित कुमार शामिल थे। आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार ने बताया कि यह एक बड़ी सफलता है। अभियान में शामिल टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही रेलवे बोर्ड को भी पुरस्कार देने के लिए अनुशंसा भेजी जाएगी।

महाप्रबंधक ने स्टेशनों का निरीक्षण कर छठ पर्व पर की गयी तैयारियों का लिया जायजा



विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधा के लिए बनाए गए होल्डिंग एरिया का निरीक्षण का किया मुआयना

हाजीपुर(एजेंसी) : रेल महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने आज प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण कर छठ महापर्व को लेकर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा/सुरक्षा के मद्देनजर की गयी तैयारियों का जायजा लिया महाप्रबंधक ने छठ पर्व में यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर सोनपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी, जयनगर, झंझारपुर, मधुबनी आदि स्टेशनों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने स्टेशनों पर बनाए गए होल्डिंग एरिया का भी निरीक्षण किया तथा उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, यात्री आवागमन, भीड़ प्रबंधन, होल्डिंग एरिया, पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण कर ट्रेनों एवं स्टेशनों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की निरंतरता को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया । इसी क्रम में महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग द्वारा यात्री सुविधा/सुरक्षा तथा संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया।विदित हो कि छठ महापर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन, संरक्षा एवं सुचारू रेल परिचालन को लेकर व्यापक तैयारियां की गयी हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त यात्री सुविधाएं प्रदान करने एवं भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों के ठहराव हेतु होल्डिंग एरिया का प्रावधान किया जा रहा है । यहां यात्रियों को ट्रेन के आगमन एवं प्लेटफार्म पर प्रवेश से पूर्व व्यवस्थित रूप से ठहराया जा सकेगा । होल्डिंग एरिया से स्टेशन भवन एवं प्लेटफॉर्म तक यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं।क्राउड मूवमेंट प्लान तैयार किया गया है । आरपीएफ एवं अन्य रेलकर्मियों द्वारा होल्डिंग एरिया से प्लेटफॉर्म तक यात्रियों की आवाजाही को फुट ओवरब्रिज के माध्यम से नियंत्रित किया जाएगा। होल्डिंग एरिया में टिकट के लिए अस्थायी व्यवस्था, पर्याप्त पेयजल, अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल टीम की तैनाती सुनिश्चित की गयी है। भीड़भाड़ वाले स्टेशनों के प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों एवं रिकॉर्डिंग सिस्टम की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है । स्टेशनों पर वार रूम/कंट्रोल रूम के माध्यम से परिचालन, वाणिज्य एवं सुरक्षा संबंधी गतिविधियों की निगरानी की भी व्यवस्था की गयी है।आज के महाप्रबंधक के निरीक्षण के दौरान सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित शरण, समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ज्योति प्रकाश मिश्रा अपने-अपने क्षेत्राधिकार में महाप्रबंधक के साथ अन्य अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

ऑपरेशन प्रहार के तहत नशे के खिलाफ बिहार के सुपौल में बड़ी कार्रवाई

अररिया 13 नवम्बर(हि.स.)।नशे के खिलाफ अररिया जिला पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा प्रहार किया है।

सदर एसडीपीओ के नेतृत्वएन नगर थाना,आरएस थाना,डीआईयू की टीम की अलग अलग कार्रवाई में 4080 ग्राम स्मैक,50 किलो स्मैक बनाने में प्रयुक्त होने वाला पाउडर,एक लीटर साइनर एसिटाइल क्लोराइड एलआर,5 लीटर डिस्टिल्ड वाटर,स्मैक के फोल्डर में इस्तेमाल होने वाला 500 ग्राम प्लास्टिक जिपर,एक बिना नंबर का काला स्कॉर्पियो,छह मोबाइल और एक प्लास्टिक का बड़ा टब बरामद किया है।मामले में पुलिस ने मादक पदार्थ के अंतर्राज्यीय गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया।जानकारी एसपी जितेन्द्र कुमार ने शुक्रवार शाम को यह जानकारी दी।स्मैक के बड़े खेप के साथ नशीला पदार्थ बनाने वाले पदार्थों का कच्चा माल पहली बार पुलिस ने इतनी बड़ी मात्रा में बरामद किया।

गिरफ्तार हुए अंतर्राज्यीय गिरोह के सदस्यों में पश्चिम बंगाल के मालदा जिला के कलियाचक थाना के खोरीबोना गांव के 27 वर्षीय इस्माईल शेख पिता बबलू शेख,जोगबनी थाना क्षेत्र हाजी मोहल्ला वार्ड संख्या 9 निवासी 29 वर्षीय रियाज अंसारी पिता आस मोहम्मद,मालदा जिला के कलियाचक थाना क्षेत्र के 34 वर्षीय रिंकू महलदार पिता सैदुल महलदार,कालियाचक थाना क्षेत्र के भागलपुर सेलमपुर निवासी 29 वर्षीय नवीरूल पिता नवी महलदार,30 वर्षीय रमजानी महलदार पिता बहादुर महलदार और फारबिसगंज थाना क्षेत्र के डाक हरिपुर वार्ड संख्या 9 निवासी 26 वर्षीय मुकेश कुमार पिता सुरेश पासवान है। छापामारी दल में सदर एसडीपीओ सुशील कुमार सिंह,नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक,नगर थाना के एसआई रामलखन चौधरी और राजनारायण यादव,आरएस थानाध्यक्ष अंकुर,एसआई त्रिपुरारी कुमार, सौदागर कुमार, सुनील कुमार,बिनोद कुमार,सुमित कुमार,डीआईयू टीम के साथ सशस्त्र बल के जवान मौजूद थे।

गया जंक्शन:छठ की भीड़ के बीच डीआरएम ने लिया व्यवस्था का जायजा

गया जी(एजेंसी) : छठ महापर्व को लेकर ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ रही यात्रियों की भारी भीड़ के बीच डीडीयू मंडल के डीआरएम उदय सिंह मीना ने सीनियर डीडीएम राजीव रंजन तथा अन्य ब्रांच अधिकारियों के साथ गया जंक्शन सहित मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन परिसरों में उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रेनों के परिचालन से जुड़ी तैयारियों का निरीक्षण किया।त्योहार के दौरान बिहार आने-जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की अत्यधिक भीड़ उमड़ रही है। कई ट्रेनों में जगह नहीं मिलने के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ के कारण सुरक्षित यात्रा भी बड़ी चुनौती बनी हुई



वॉर रूम से सीसीटीवी के जरिए 24 घंटे निगरानी

यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

है। डीआरएम ने 24 घंटे संचालित विशेष नियंत्रण कक्ष (वॉर रूम) का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर भीड़ की लगातार निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान सीनियर डीसीएम राजीव रंजन ने

भीड़ नियंत्रण के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर, होल्डिंग एरिया और सुरक्षाबलों की तैनाती पर जोर दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो तथा आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, मुख्य टिकट पर्यवेक्षक रंजीत कुमार, मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक लालबाबू, मुख्य टिकट निरीक्षक (प्रशासन)आर आर सिन्हा आदि मौजूद थे।

छठ महापर्व पर भव्य स्वागत द्वार से सजा गया जंक्शन

छठ गीतों की गूंज से भक्तिमय हुआ स्टेशन, प्रवासियों का हाथ जोड़कर हो रहा आत्मीय स्वागत

गया जी (एजेंसी) : लोक आस्था के चार दिवसीय छठ महापर्व को लेकर गया जंक्शन का नजारा पूरी तरह बदल गया है। दूसरे राज्यों और महानगरों से अपने घर लौट रहे प्रवासियों एवं श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए स्टेशन परिसर में भव्य स्वागत द्वार बनाया गया है। आकर्षक सजावट और रंग-बिरंगी रोशनी से जंक्शन का बाहरी एवं भीतरी परिसर जगमगा रहा है। स्टेशन पर पहुंचते ही यात्रियों को छठ महापर्व की उत्सवी छटा और अपनेपन का एहसास हो रहा है।छठ महापर्व के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और बिहार की सांस्कृतिक परंपरा को दर्शाने के लिए स्टेशन परिसर में विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्लेटफॉर्म और प्रतीक्षालय में छठी मैया के पारंपरिक लोकगीतों की गूंज सुनाई दे रही है। छठ गीतों से पूरा स्टेशन परिसर भक्तिमय हो



गया है। घर लौट रहे प्रवासी यात्रियों के लिए यह माहौल किसी आत्मीय स्वागत से कम नहीं है।गया जंक्शन पर रेलकर्मी और टीटीई, आरपीएफ,जीआरपी के साथ रेल कंट्रक्शन कम्पनी के अधिकारी और कर्मचारी भी यात्रियों का हाथ जोड़कर अभिनंदन कर रहे हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया जा रहा है। रेलवे की इस पहल से यात्रियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। खासकर लंबे समय बाद अपने घर और परिवार के बीच छठ मनाने लौट रहे लोगों के चेहरे पर खुशी झलक रही है। भव्य स्वागत द्वार, आकर्षक रोशनी, छठ गीतों की मधुर धुन और रेलकर्मियों का आत्मीय व्यवहार गया जंक्शन को छठमय बना रहा है। स्टेशन पर पहुंचने वाले यात्रियों को बिहार की लोक संस्कृति और परंपरा की खूबसूरत झलक मिल रही है।

छठ घाटों का थानाध्यक्ष व नगर प्रशासन ने किया निरीक्षण, पर्व से पहले तैयारियां पूरी करने का निर्देश

सुपौल, (एजेंसी) : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर पिपरा नगर पंचायत क्षेत्र में तैयारियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को नगर पंचायत के विभिन्न छठ घाटों का थानाध्यक्ष किशोर कुमार, नगर पंचायत चेयरमैन मनोज कुमार सिंह और कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया।

इस दौरान अधिकारियों ने घाटों पर चल रहे कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मियों को पर्व से पहले सभी तैयारियां हर हाल में पूरी करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान चेयरमैन मनोज कुमार सिंह ने घाटों पर साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। नदी एवं तालाब के किनारे बने घाटों, पहुंच पथ, सीढ़ियों और आसपास के क्षेत्रों में गंदगी देखकर संबंधित कर्मियों को तत्काल सफाई कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को घाटों पर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के साथ नियमित निगरानी भी जरूरी है।

थानाध्यक्ष किशोर कुमार ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती, पुलिस बल की उपलब्धता और भीड़ नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गहरे पानी वाले घाटों पर खतरे के निशान लगाने और ऐसे स्थानों पर पुलिस की विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया।

थानाध्यक्ष ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना रोकने के लिए थाना स्तर से पूरी तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से घाटों पर अनुशासन बनाए रखने, गहरे पानी में जाने से बचने और बच्चों पर विशेष ध्यान देने की अपील की। साथ ही असामाजिक तत्वों पर भी कड़ी नजर रखने की बात कही।कार्यपालक पदाधिकारी प्रियंका कुमारी ने घाटों की मरम्मत, पहुंच पथ, पेयजल, शौचालय, चेंजिंग रूम और प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान कई घाटों पर टूटी सीढ़ियां और उबड़-खाबड़ रास्ते पाए गए। उन्होंने संबंधित कर्मियों को तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में सभी घाटों को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना आवश्यक है। घाटों पर पेयजल, शौचालय, प्रकाश और चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।

संपादकीय

महंगाई की मार से बेहाल आम आदमी, मुनाफाखोरी ने बढ़ाई मुश्किलें

भारत में महंगाई अब आम आदमी के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर रोजमर्रा के इस्तेमाल के सामान, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस तक की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बजट को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। पिछले कई महीनों से महंगाई का दबाव लगातार बना हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खुदरा महंगाई सितंबर में 5.54 प्रतिशत से बढ़कर अक्टूबर में 6.9 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित 2 से 6 प्रतिशत की सहनशील सीमा से भी अधिक है। महंगाई की इस बढ़ती रफ्तार ने गरीब, मध्यम वर्ग और निम्न आय वाले परिवारों की आर्थिक परेशानियां बढ़ा दी हैं।

महंगाई की समस्या केवल वस्तुओं की कीमतें बढ़ने तक सीमित नहीं है। बाजार में मुनाफाखोरी और उपभोक्ताओं के साथ हो रही व्यापारिक चालबाजी ने हालात को और गंभीर बना दिया है। पैकिंग वाले सामानों की कीमतों और मात्रा में बदलाव इसका उदाहरण है। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के साथ उत्पादों का वजन और मात्रा भी घटा रही हैं। नतीजा यह है कि उपभोक्ता को अधिक पैसे खर्च करने के बावजूद पहले की तुलना में कम सामान मिल रहा है। इसे महंगाई का ऐसा छिपा हुआ रूप कहा जा सकता है, जिसका सीधा असर आम परिवारों की जेब पर पड़ता है।पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में होने वाली वृद्धि का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं रहता। इसका असर उत्पादन, माल ढुलाई, कृषि, कारोबार और दैनिक उपभोग की लगभग हर वस्तु पर पड़ता है। दूध, दही, घी, मक्खन, खाद्य तेल, आटा, चावल और दाल जैसी बुनियादी जरूरतों के दाम बढ़ने से रसोई का खर्च लगातार बढ़ रहा है। हैरानी की बात है कि ठंड के मौसम में भी दुग्ध उत्पादक कंपनियों ने दूध की कीमतों में वृद्धि कर दी है। साबुन, डिटर्जेंट और अन्य घरेलू उत्पादों से लेकर सिगरेट तक के दाम बढ़ने से उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। होटल और रेस्टोरेंट में भोजन तथा नाश्ते की कीमतों में भी 5 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है।कंपनियां कच्चे माल, पैकेजिंग और परिवहन की लागत बढ़ने का तर्क देकर कीमतों में इजाफा कर रही हैं। लेकिन सवाल यह है कि लागत बढ़ने का पूरा बोझ आखिर उपभोक्ता ही क्यों उठाए? जब उत्पादन और बिक्री की लागत में वृद्धि होती है, तब कंपनियां कीमतें बढ़ाने में देर नहीं करतीं, लेकिन लागत घटने पर उपभोक्ताओं को उसका लाभ देने में अक्सर उदासीन दिखाई देती हैं।

केवल अंग्रेजी सीखने में जितना श्रम करना पड़ता है उतने श्रम में भारत की सभी भाषाएँ सीखी जा सकती हैं।

: विनोबा भावे

हजार योद्धाओं पर विजय पाना आसान है, लेकिन जो अपने ऊपर विजय पाता है वही सच्चा विजयी है।

: गौतम बुद्ध

आस्था,अध्यात्म और मानवीय आत्मीयता का अद्भुत संगम

पश्चिमी घाट की प्राकृतिक छटा,भगवान सुब्रह्मण्य की दिव्य महिमा और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की निश्छल मुस्कान एवं आत्मीय सहयोग ने यात्रा को बनाया अविस्मरणीय यात्रा

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में तीर्थयात्राएँ केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे इतिहास, प्रकृति, आस्था और मानवीय संवेदनाओं से साक्षात्कार कराने का माध्यम भी होती हैं। कई बार किसी यात्रा की सबसे अनमोल स्मृति वहाँ के भव्य मंदिर, प्राकृतिक दृश्य या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनायास मिले कुछ ऐसे लोग बन जाते हैं, जिनसे परिचय जीवनभर के लिए आत्मीय यादगार बन जाता है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित कुक्के सुब्रह्मण्य की मेरी यात्रा भी कुछ ऐसी ही रही।इस यात्रा में भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन,पश्चिमी घाट की प्राकृतिक सुंदरता और मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक पलों के अतिरिक्त मंदिर की सीढ़ियों पर दो युवा छात्राओं निहारिका और साक्षा से हुई मुलाकात ने इसे एक विशेष भावनात्मक पहचान दी।मीडिया के मित्रों के साथ इस धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा का उद्देश्य दक्षिण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, मंदिरों की स्थापत्य कला और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखना था। पश्चिमी घाट की हरी-भरी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसा कुक्के सुब्रह्मण्य अपनी धार्मिक महत्ता और प्राकृतिक रमणीयता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पहुँचकर मन में श्रद्धा, जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति आकर्षण का एक साथ अनुभव होता है। भगवान सुब्रह्मण्य की पौराणिक महिमा कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है,जिन्हें दक्षिण भारत में भगवान सुब्रह्मण्य, स्कंद और कुमारस्वामी के नाम से भी पूजा जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय की आराधना यहाँ नागराज वासुकि के साथ विशेष रूप से की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर सहित असुरों का संहार करने के बाद भगवान सुब्रह्मण्य इस क्षेत्र में आए थे। उस समय नागराज वासुकि गरुड़ के भय से यहाँ तपस्या कर रहे थे। भगवान सुब्रह्मण्य ने उन्हें अभयदान दिया और अपनी दिव्य उपस्थिति से इस स्थान को पवित्र बनाया। इसी मान्यता ने इस तीर्थस्थल को विशेष धार्मिक पहचान प्रदान की है। यह मंदिर नाग आराधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ अश्लेषा बलि, सर्प संस्कार और नाग प्रतिष्ठा जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु परिवार की सुख-शांति,समृद्धि और मंगलकामना के लिए यहाँ पहुँचते हैं। मंदिर की धार्मिक परंपराएँ दक्षिण भारत की प्राचीन वैदिक मान्यताओं और लोक आस्था का सुंदर परिचय कराती हैं। भव्य गोपुरम और दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला मंदिर के निकट पहुँचते ही इसकी भव्यता मन को आकर्षित करती है। ऊँचा गोपुरम, उस पर स्थापित देवी-देवताओं की रंगीन एवं स्वर्णिम प्रतिमाएँ, नीले और हल्के रंगों से सुसज्जित स्थापत्य तथा प्रवेश द्वार के दोनों ओर स्थापित देव प्रतिमाएँ दक्षिण भारतीय मंदिर निर्माण परंपरा की विशिष्ट पहचान प्रस्तुत करती हैं। मंदिर की विशाल सीढ़ियाँ और ऊँचा ध्वजस्तंभ इसकी धार्मिक गरिमा को और बढ़ाते हैं। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही पूजा-अर्चना, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की भक्ति से वातावरण आध्यात्मिक हो उठता है। भगवान के दर्शन के दौरान मन में सहज ही श्रद्धा और शांति का भाव उत्पन्न होता है। मंदिर की भव्यता केवल उसकी स्थापत्य कला में नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही आस्था और परंपरा में भी दिखाई देती है। मंदिर की सीढ़ियों पर मिली अनमोल मित्रता : निहारिका की आत्मीयता ने बनाया सफर यादगार इस यात्रा का सबसे आत्मीय, रोचक और अविस्मरणीय प्रसंग मंदिर की सीढ़ियों पर घटित हुआ। मीडिया के मित्रों के साथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान मेरी नजर दो युवा छात्राओं पर पड़ी। वे स्थानीय निवासी निहारिका और उनकी सहेली साक्षा थीं। दोनों छात्राएँ थीं और संभवतः मंदिर की सीढ़ियाँ चढ़ने तथा दर्शन के बाद की थकान महसूस करते हुए कुछ देर विश्राम कर रही थीं। मेरे स्वभाव में लोगों से सहज परिचय स्थापित करना और उनके अनुभव जानना हमेशा से शामिल रहा है। पत्रकारिता के लंबे अनुभव ने मुझे यह सिखाया है कि समाज को समझने के लिए केवल घटनाओं को देखना पर्याप्त नहीं, बल्कि लोगों से मिलना, उनसे संवाद करना और उनकी भावनाओं को समझना भी जरूरी है। इसी सहज प्रवृत्ति के चलते मैंने स्वयं आगे बढ़कर दोनों छात्राओं से परिचय करने की पहल की। हालाँकि मन में एक आशंका भी थी। दोनों छात्रा अहिंदीभाषी थीं। ऐसे में हिंदी में संवाद हो पाएगा मुझे कतई उम्मीद नहीं थी कि मेरा यह छोटा-सा प्रयास इतनी आत्मीय सफलता में बदल जाएगा लेकिन मेरी आशंका के विपरीत निहारिका ने जिस सहजता, सहर्षता और आत्मीय मुस्कान के साथ मेरे परिचय का प्रत्युत्तर दिया, उसने सचमुच मन जीत लिया। भाषा की सीमा और अपरिचय की झिझक को पीछे छोड़ते हुए उसने बातचीत में जिस सहयोग और अपनत्व का परिचय दिया, वह मेरे लिए अप्रत्याशित सुखद अनुभव था। मेरी परिचय की पहल को उसने महज औपचारिकता नहीं रहने दिया, बल्कि अपनी सहज स्वीकृति और सहयोग से उसे एक सुंदर स्मृति में बदल दिया। तस्वीर खिंचवाने के मेरे आग्रह को भी उसने सहर्ष स्वीकार किया। उसके चेहरे की निश्छल मुस्कान और सहज भाव-भंगिमा ने उस पल को मेरी यात्रा का एक स्वर्णिम चित्र बना दिया। उसकी सहेली साक्षा स्वभाव से कुछ संकोची थीं। भाषा की सहजता न होने के कारण उन्होंने तस्वीर खिंचवाने में रुचि नहीं दिखाई। मैंने भी उनके संकोच का पूरा सम्मान किया। भले ही साक्षा तस्वीर में शामिल नहीं हुईं, लेकिन इस आत्मीय मुलाकात में उनकी उपस्थिति भी मेरी स्मृतियों का हिस्सा बनी रही। किसी के संकोच का सम्मान करना भी आत्मीय व्यवहार का ही एक महत्वपूर्ण पक्ष है। निहारिका की सहर्षता और सहयोग ने मुझे यह अनुभूति कराई कि आत्मीयता के लिए भाषा का ज्ञान या पहले से परिचित होना आवश्यक नहीं है। कभी-कभी किसी अनजान व्यक्ति की एक मुस्कान, सहज स्वीकृति और सहयोग मन में ऐसी जगह बना लेते हैं, जिसे समय भी धुँधला नहीं कर पाता। एक पत्रकार के रूप में जीवन में अनेक लोगों से मुलाकात हुई है, लेकिन मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका और साक्षा से हुई यह अनपेक्षित मुलाकात इसलिए विशेष बन गई कि इसने मेरी यात्रा को केवल धार्मिक दर्शन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसमें मानवीय संवेदना और मित्रता का एक सुंदर अध्याय जोड़ दिया। आज जब उस यात्रा की तस्वीरों को देखता हूँ तो मंदिर का भव्य गोपुरम और स्थापत्य कला ही नहीं, निहारिका की वह निश्छल मुस्कान और परिचय के प्रति उसका उत्साह भी आँखों के सामने जीवंत हो उठता है। कुछ पल की मुलाकात कभी-कभी वर्षों की स्मृतियों पर भारी पड़ जाती है। निहारिका का यह सहज सहयोग मेरे लिए ऐसा ही एक स्वर्णिम पल है, जिसे मैं अपनी कुक्के सुब्रह्मण्य यात्रा की अनमोल उपलब्धियों में सदैव संजोकर रखना चाहूँगा। कुमारधारा नदी और पश्चिमी घाट का प्राकृतिक आकर्षण कुक्के सुब्रह्मण्य की यात्रा में कुमारधारा नदी और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता का विशेष महत्व है। पश्चिमी घाट की पहाड़ियों, घने जंगलों और हरियाली से घिरा यह क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों को भी आकर्षित करता है। श्रद्धालु कुमारधारा नदी में स्नान को धार्मिक दृष्टि से पवित्र मानते हैं। नदी के प्रवाह और आसपास के शांत वातावरण में कुछ समय बिताना मन को एक अलग प्रकार की शांति प्रदान करता है। प्रकृति की गोद में बसा यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के साथ पर्यावरणीय सौंदर्य का भी अनुपम उदाहरण है। निकटवर्ती कुमार पर्वत पर्वतारोहण के शौकीनों के लिए विशेष आकर्षण रखता है। इसके अतिरिक्त बिलद्वार गुफा का भी पौराणिक महत्व बताया जाता है। आसपास के वन क्षेत्र, पहाड़ी रास्ते और प्राकृतिक दृश्य इस यात्रा को और रोचक बनाते हैं। जो पर्यटक धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति का आनंद लेना चाहते हैं, उनके लिए कुक्के सुब्रह्मण्य और आसपास का क्षेत्र विशेष अनुभव प्रदान करता है। यात्रा की उपयोगी जानकारी कुक्के सुब्रह्मण्य कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित है। मंगलुरु इसका निकटतम प्रमुख हवाई संपर्क केंद्र है। सुब्रह्मण्य रोड रेलवे स्टेशन से मंदिर तक सड़क मार्ग द्वारा पहुँचा जा सकता है। बेंगलुरु और मंगलुरु से सड़क परिवहन की सुविधा उपलब्ध है। धार्मिक पर्वों और विशेष पूजा के अवसरों पर यहाँ श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए यात्रा से पहले आवास, परिवहन और दर्शन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लेना उपयोगी रहता है। यात्रा का वास्तविक आनंद : आस्था के साथ आत्मीयता कुक्के सुब्रह्मण्य की इस यात्रा ने मुझे एक बार फिर यह महसूस कराया कि भारत की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। अलग-अलग भाषाएँ, वेशभूषाएँ, परंपराएँ और जीवनशैलियाँ होने के बावजूद हमारी भावनाओं और मानवीय संवेदनाओं में अद्भुत समानता है। भगवान सुब्रह्मण्य के मंदिर में दर्शन से मिली आध्यात्मिक अनुभूति अपनी जगह महत्वपूर्ण रही, लेकिन निहारिका की आत्मीयता, उसका सहज सहयोग और साक्षा की सरल उपस्थिति ने इस यात्रा को एक व्यक्तिगत और भावनात्मक पहचान दे दी। मंदिर के भव्य गोपुरम के सामने खिंचवाई गई तस्वीर, विशाल सीढ़ियों पर बिताए गए पल और उन दोनों छात्राओं के साथ हुआ सहज संवाद आज भी स्मृतियों में ताजा हैं। निहारिका की मुस्कान उस तस्वीर के साथ ही नहीं, बल्कि मन की स्मृतियों में भी सुरक्षित है। साक्षा भले ही तस्वीर में नहीं आईं, लेकिन उनकी संकोची उपस्थिति भी इस मुलाकात की कहानी का अभिन्न हिस्सा है। यही तो यात्राओं की असली खूबसूरती है। हम किसी स्थान को देखने जाते हैं, लेकिन लौटते समय वहाँ से कुछ अनमोल रिश्तों और आत्मीय अनुभवों की सौगात लेकर आते हैं। निस्संदेह, कुक्के सुब्रह्मण्य मेरे लिए केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं रही। यह आस्था, अध्यात्म, प्रकृति और मानवीय मित्रता का ऐसा संगम बन गई, जिसकी स्मृतियाँ लंबे समय तक मन को आनंदित करती रहेंगी। भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन का आध्यात्मिक अनुभव, मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक क्षण और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की सहर्षता से मिली आत्मीयता इस यात्रा की सबसे अनमोल उपलब्धियाँ हैं। सच है, तीर्थयात्रा में हम भगवान के दर्शन करने जाते हैं, लेकिन कई बार लौटते समय ईश्वर की बनाई दुनिया में इंसानियत,अपनापन और मित्रता के ऐसे सुंदर दर्शन भी साथ लेकर आते हैं, जो जीवनभर हमारे हृदय में उजाला करते रहते हैं।

विनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैदिक सविता तत्त्व से पौराणिक षष्ठी देवी तक

सूर्य षष्ठी व्रत, जिसे लोकपरंपरा में छठ महापर्व के नाम से जाना जाता है, वैदिक काल की प्रत्यक्ष प्रकृति-उपासना एवं पौराणिक काल की मातृशक्ति साधना का अद्वितीय समन्वय है। ऋग्वेद के सौर सूक्तों और यजुर्वेद के सूर्योपस्थान मंत्रों से प्रारंभ होकर यह परंपरा ब्रह्मवैवर्त पुराण, स्कंद पुराण, भविष्य पुराण तथा महाभारत के आख्यानों में शाश्वत रूप से पल्लवित हुई है। वैदिक ऋषियों की दृष्टि में सूर्य केवल एक खगोलीय पिंड नहीं, अपितु चराचर जगत की आत्मा है। ऋग्वेद 1/115/1 में उद्घोष किया गया है-

सूर्य आत्मा जगतस्तस्थुषश्च।

अर्थात- सूर्य ही स्थावर और जंगम समस्त जगत की आत्मा है। वैदिक संहिताओं में सूर्य के विविध रूपों- सविता, पूषा, मित्र, भग, अर्यमा और विवस्वान्, की स्तुति की गई है। सूर्य षष्ठी के अनुष्ठान का मूल बीज वैदिक उषा प्रत्यूषा की उपासना में निहित है। संसार के सर्वाधिक प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में उषा को प्रकाश, चेतना और नवजीवन की अधिष्ठात्री देवी कहा गया है, जबकि प्रत्यूषा सायंकालीन संध्या की शांत एवं संहारक-पोषक ऊर्जा का प्रतीक है। अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अर्घ्य देना इस शाश्वत सत्य का उद्घोष है कि अवसान ही नवोदय की जननी है। अथर्ववेद के 11वें कांड में प्राणायाम, उपवास और जल-मध्य स्थित होकर रश्मि सेवन की विधि का संकेत मिलता है। निराहार रहकर जल में खड़े होकर सूर्य किरणों को शरीर में धारण करना वस्तुतः वैदिक सूर्य चिकित्सा एवं प्राण साधना का व्यावहारिक रूप है।

भारतीय कालगणना में कार्तिक शुक्ल षष्ठी और चैत्र शुक्ल षष्ठी दोनों ही ऋतु संधि के काल हैं। शीत ऋतु के आगमन (कार्तिक) और ग्रीष्म के प्रारंभ (चैत्र) में सौर विकिरणों का कोण पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध के लिए विशिष्ट जैविक परिवर्तन लाता है, जिसे वैदिक मनीषियों ने व्रत एवं संयम से जोड़ा।

ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रंथों में बाह्य कर्मकांड का रूपांतरण आंतरिक अध्यात्म में हुआ। तैत्तिरीय आरण्यक के प्रथम प्रपाठक (अरुणप्रश्न) में सूर्य नमस्कार और अर्घ्यदान का विस्तृत विधान प्राप्त होता है। यहाँ जल को केवल भौतिक द्रव्य न मानकर आपः तत्त्व (ब्रह्मांडीय चेतना का प्रथम विवर्त) स्वीकार किया गया है।

ईशावास्योपनिषद में ऋषि प्रार्थना करते हैं-

हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं

मुखम्। तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

यहां सूर्य के स्वर्णिम मंडल को सत्य का आवरण मानकर परम तत्त्व के साक्षात्कार की कामना की गई है।

छान्दोग्य उपनिषद के तृतीय अध्याय में सूर्य को देवताओं का मधु (अमृत कोष) कहा गया है। सूर्य की पूर्व, दक्षिण, पश्चिम, उत्तर और ऊर्ध्व रश्मियों को क्रमशः ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद और गुह्य आदेशों का वाहक बताया गया है। अर्घ्यदान के समय जल की धारा से अपवर्तित होने वाली रश्मियां साधक के सहस्रार और आज्ञा चक्र को जागृत करती हैं।

पौराणिक युग में वैदिक उषा प्रत्यूषा का लोकव्यापी स्वरूप भगवती षष्ठी (कात्यायनी और देवसेना) के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। ब्रह्मवैवर्त पुराण के प्रकृति खंड अध्याय 43 में षष्ठी देवी को मूल प्रकृति के छठे अंश से उत्पन्न ब्रह्मा की मानसपुत्री एवं स्कंद (कार्तिकेय) की पत्नी देवसेना कहा गया है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, स्वायंभुव मनु के पुत्र राजा प्रियव्रत की पत्नी मालिनी को मृत पुत्र उत्पन्न हुआ। श्मशान में प्राण त्यागने को उद्यत राजा के समक्ष षष्ठी देवी प्रकट हुईं और उन्होंने उस मृत शिशु को जीवित कर दिया। देवी के आदेशानुसार राजा प्रियव्रत ने सर्वप्रथम कार्तिक शुक्ल षष्ठी को लोककल्याण एवं संतान-रक्षा हेतु इस महाव्रत का प्रवर्तन किया।

भविष्य पुराण के ब्राह्म पर्व में श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब द्वारा शापवश कुष्ठ रोग से पीड़ित होने और सूर्य षष्ठी की कठोर तपस्या तथा शाकद्वीपीय ब्राह्मणों के सहयोग से आरोग्य प्राप्त करने का प्रामाणिक वर्णन है। इससे सिद्ध होता है कि यह पर्व असाध्य चर्म एवं अस्थि रोगों के निवारण का शास्त्रीय अनुष्ठान भी है।

वाल्मीकि रामायण की लोकपरंपरा में लंका विजय के पश्चात अयोध्या आगमन पर भगवान श्रीराम और माता सीता द्वारा सरयू तट पर कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य उपासना करने का उल्लेख मिलता है। वहीं महाभारत में अंगराज कर्ण द्वारा चंपा (भागलपुर) में प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देने और द्रौपदी द्वारा पांडवों के राजपाट की पुनः प्राप्ति हेतु षष्ठी व्रत करने का प्रसंग अत्यंत प्रसिद्ध है।

सूर्य षष्ठी व्रत की चार दिवसीय प्रक्रिया किसी पुरोहित या मध्यस्थ की अपेक्षा नहीं रखती। यह सनातन परंपरा का सर्वाधिक समतामूलक अनुष्ठान है, जहाँ बांस का सूप, मिट्टी का चूल्हा, गंगाजल, ठेकुआ (गोधूम चूर्ण एवं गुड़) तथा ऋतुफल सीधे प्रकृति से जुड़ते हैं। प्रथम दिन लौकी (कद्दू) और अरवा चावल के सात्विक भोजन का विधान है। आयुर्वेद के अनुसार, शरद ऋतु में संचित पित्त के शमन हेतु लौकी सर्वोत्तम क्षारीय औषधि है, जो आगामी 36 घंटों के निर्जल उपवास के लिए शरीर में जल-संतुलन बनाए रखती है। द्वितीय दिन सायंकाल गुड़ की खीर और रोटी ग्रहण करने के पश्चात निर्जल व्रत आरंभ होता है। गुड़ में निहित लौह तत्त्व और शर्करा शरीर को दीर्घकालिक ऊर्जा प्रदान करते हैं, जबकि मौन और एकांत साधक के मन को बाह्य विक्षेपों से मुक्त कर प्रत्याहार की अवस्था में ले जाते हैं। अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देना भारतीय दर्शन की अद्वितीय विशेषता है। विश्व की अधिकांश सभ्यताएं केवल उगते सूर्य को प्रणाम करती हैं, किंतु सनातन चिंतन यह सिखाता है कि जो अस्त हो रहा है, वह समाप्त नहीं हो रहा, अपितु विश्व के दूसरे गोलार्ध को प्रकाशित करने जा रहा है। यह कृतज्ञता और समदर्शिता का चरम आदर्श है। सप्तमी की प्रातः उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय तपस्या पूर्ण होती है। घाटों पर बिना किसी वर्ण, जाति या वर्ग भेद के एक ही जलधारा में खड़े होकर अर्घ्य देना वैदिक सूत्र संगच्छध्वं संवदध्वम् का जीवंत मूर्त रूप है। सूर्य षष्ठी केवल एक क्षेत्रीय लोकाचार नहीं, अपितु वैदिक ऋषियों द्वारा प्रतिपादित प्रकृति-अद्वैत का जीवंत दस्तावेज है। जब मनुष्य मूर्ति और मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलकर खुले आकाश के नीचे, बहती नदी के जल में खड़े होकर साक्षात अग्निपुंज सूर्य और जीवनदायिनी जलधारा के मध्य सेतु बनता है, तब वह स्वयं ब्रह्मांडीय चेतना का अंश हो जाता है। यही इस शाश्वत महापर्व का कालातीत संदेश है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7692

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7691 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

दैनिक पंचांग

14 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	धनु में
मंगल	सिंह में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृश्चिक	06.28 ब.से
धनु	08.44 बजे से
मकर	10.50 बजे से
कुंभ	12.36 बजे से
मीन	14.09 बजे से
मेष	15.39 बजे से
वृष	17.19 बजे से
मिथुन	19.18 बजे से
कर्क	21.31 बजे से
सिंह	23.47 बजे से
कन्या	01.59 बजे से
तुला	04.10 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 318 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 23.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 20.25 बजे को समाप्त। **योग** शूल अहोरात्र।
करण बव 10.04 बजे तदनन्तर बालव 23.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 4.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 10'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872893
जूलियन दिन 2461358.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 03
विशेष लाभ पंचमी, जवाहारलाल जयंती, बाल दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आस्था, अध्यात्म और मानवीय आत्मीयता का अद्भुत संगम

पश्चिमी घाट की प्राकृतिक छटा,भगवान सुब्रह्मण्य की दिव्य महिमा और मंदिर की सीढ़ियों पर निहारिका की निश्छल मुस्कान एवं आत्मीय सहयोग ने यात्रा को बनाया अविस्मरणीय यात्रा

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा में तीर्थयात्राएँ केवल मंदिरों के दर्शन तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे इतिहास, प्रकृति, आस्था और मानवीय संवेदनाओं से साक्षात्कार कराने का माध्यम भी होती हैं। कई बार किसी यात्रा की सबसे अनमोल स्मृति वहाँ के भव्य मंदिर, प्राकृतिक दृश्य या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अनायास मिले कुछ ऐसे लोग बन जाते हैं, जिनसे परिचय जीवनभर के लिए आत्मीय यादगार बन जाता है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में स्थित कुक्के सुब्रह्मण्य की मेरी यात्रा भी कुछ ऐसी ही रही।इस यात्रा में भगवान सुब्रह्मण्य के दर्शन,पश्चिमी घाट की प्राकृतिक सुंदरता और मीडिया मित्रों के साथ बिताए गए आनंददायक पलों के अतिरिक्त मंदिर की सीढ़ियों पर दो युवा छात्राओं निहारिका और साक्षा से हुई मुलाकात ने इसे एक विशेष भावनात्मक पहचान दी।मीडिया के मित्रों के साथ इस धार्मिक एवं पर्यटन यात्रा का उद्देश्य दक्षिण भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत, मंदिरों की स्थापत्य कला और प्राकृतिक सौंदर्य को करीब से देखना था। पश्चिमी घाट की हरी-भरी पर्वत श्रृंखलाओं के बीच बसा कुक्के सुब्रह्मण्य अपनी धार्मिक महत्ता और प्राकृतिक रमणीयता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पहुँचकर मन में श्रद्धा, जिज्ञासा और प्रकृति के प्रति आकर्षण का एक साथ अनुभव होता है। भगवान सुब्रह्मण्य की पौराणिक महिमा कुक्के सुब्रह्मण्य मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है,जिन्हें दक्षिण भारत में भगवान सुब्रह्मण्य, स्कंद और कुमारस्वामी के नाम से भी पूजा जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र कार्तिकेय की आराधना यहाँ नागराज वासुकि के साथ विशेष रूप से की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, तारकासुर सहित असुरों का संहार करने के बाद भगवान सुब्रह्मण्य इस क्षेत्र में आए थे। उस समय नागराज वासुकि गरुड़ के भय से यहाँ तपस्या कर रहे थे। भगवान सुब्रह्मण्य ने उन्हें अभयदान दिया और अपनी दिव्य उपस्थिति से इस स्थान को पवित्र बनाया। इसी मान्यता ने इस तीर्थस्थल को विशेष धार्मिक पहचान प्रदान की है। यह मंदिर नाग आराधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहाँ अश्लेषा बलि, सर्प संस्कार और नाग प्रतिष्ठा जैसे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु परिवार की सुख-शांति,समृद्धि और मंगलकामना के लिए यहाँ पहुँचते हैं। मंदिर की धार्मिक परंपराएँ दक्षिण भारत की प्राचीन वैदिक मान्यताओं और लोक आस्था का सुंदर परिचय कराती हैं। भव्य गोपुरम और दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला मं

स्पोर्ट्स सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है भारतः सीएम

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत स्पोर्ट्स सहित सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्ष 2016 के रियो पैरा ओलिंपिक में भारत को 4 पदक मिले थे, जिसके बाद टोक्यो पैरा ओलिंपिक में पदकों की संख्या चार गुना बढ़कर 20 हो गई। वर्ष 2024 के पैरा ओलिंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 29 मेडल अपने नाम किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल के प्रकाश तरण पुष्कर में आयोजित 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि 2026 के पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 114 पदक जीतकर भारत ने अद्भुत कीर्तिमान गढ़ा है, इसमें हमारे पैरा स्विमर्स के 11 पदक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप में देश के 26 राज्यों के 400 से अधिक पैरा स्विमर्स शामिल हुए हैं, इनमें 100 महिला तैराक हैं। यह हमारे खिलाड़ियों के अदम्य साहस, प्रतिभा और संकल्प का प्रतीक है। एक



मुख्यमंत्री ने 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चैम्पियनशिप का किया शुभारंभ

के बाद एक बड़े लक्ष्य हासिल करना निश्चित रूप से गौरव और प्रसन्नता का विषय है। राज्य सरकार खेल सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से खेलों के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पद्मश्री से सम्मानित सत्येंद्र सिंह लोहिया ने खेल क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने आए स्विमर्स से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से देश-प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को अंगवस्त्रम् भेंटकर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदेश में विभिन्न खेलों की 11 अकादमी कार्यरत हैं। हमारे 32 खिलाड़ियों ने इसी वर्ष एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने 12 मेडल जीते हैं, जिसमें दो दो सिल्वर मेडल शामिल हैं। राज्य सरकार अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए हर विधानसभा में बेहतर स्पोर्ट्स सुविधाएं तथा स्टेडियम तैयार करने की दिशा में काम कर रही है।

वर्ष 2020 से लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत खिलाड़ियों, कोच एवं प्रशिक्षकों को प्रोत्साहन दिया गया है। उन्होंने कहा कि भोपाल वॉटर स्पोर्ट्स का हब बन रहा है, कयाकिंग, केनोइंग और रोइंग के बाद अब सेलिंग की प्रतियोगिता भी बड़ी झील में हुई। बरखेड़ा नाथू के स्पोर्ट्स स्टेडियम में एशियन हॉकी का बड़ा आयोजन प्रदेश को गौरवान्वित करेगा।

जनजातीय बोलियों और भाषाओं का दस्तावेजीकरण करना जरूरी हैः जुएल ओराम

एजेंसी, नई दिल्ली



केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि जनजातीय बोलियों और भाषाओं को बचाने के लिए उनके साहित्य, लोकगीत एवं लोककथाओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण समय की सबसे बड़ी मांग है। जुएल ओराम ने यह बात गुरुवार को दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में जनजातीय कार्य मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जनजातीय साहित्य महोत्सव के शुभारंभ पर कही। देशभर से पहुंचे जनजातीय साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और भाषा विशेषज्ञों की उपस्थिति में आयोजित इस मंच पर जनजातीय भाषाओं, बोलियों और समृद्ध मौखिक परंपराओं के संरक्षण को लेकर व्यापक मंथन किया गया।

जुएल ओराम ने कहा, जनजातीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के लिए उनके साहित्य, लोकगीतों, लोककथाओं और मौखिक परंपराओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण जरूरी है। इस काम में केवल साहित्यकारों को ही नहीं, बल्कि गीतकारों, संगीतकारों, लोक कलाकारों और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को भी शामिल करना होगा। कई जनजातीय भाषाओं की अपनी लिपि नहीं है और कुछ बोलियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। ऐसे में लिपि के अभाव को दस्तावेजीकरण में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। उपलब्ध भारतीय भाषाओं के माध्यम से भी इनकी मौखिक परंपराओं को संरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने जनजातीय भाषाओं के लेखकों के लिए विशेष पुरस्कार देने की बात भी कही।

राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनजातीय समाज की मौखिक परंपरा में लोककथाएं, लोकगीत, वीरगाथाएं, मिथक, कहावतें, पहेलियां, धार्मिक अनुष्ठान और प्रार्थनाएं शामिल हैं। इनका संरक्षण जरूरी है। उन्होंने जनजातीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों और उनके संघर्षों को साहित्य के माध्यम से सबके सामने लाने पर जोर दिया। भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष चमू कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भारत की भाषाई विविधता उसकी एकता की ताकत है। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में मातृभाषाएं और बोलियां हैं। किसी भाषा के विकास के लिए उसका बोलचाल, साहित्य, शिक्षा और तकनीक में इस्तेमाल जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत में कभी भी कोई भाषा विवाद नहीं रहा है, भाषा विवाद अंग्रेजों की देन है। नीति आयोग की सदस्य जोराम आन्या ने कहा कि जनजातीय साहित्य का बड़ा हिस्सा लोकगीतों, लोरियों और कहानियों के रूप में पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ा है।

ओडिशा में ट्रक से टकराई बंगाल के तीर्थयात्रियों की बस, कई घायल



कोलकाता। ओडिशा के जाजपुर जिले में शुक्रवार तड़के पश्चिम बंगाल से पुरी जा रहे तीर्थयात्रियों की बस खड़े ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में कई यात्री घायल हो गए। बस में करीब 55 तीर्थयात्री सवार थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल से करीब 55 यात्रियों को लेकर बस पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए जा रही थी। शुक्रवार तड़के ओडिशा के जाजपुर जिले के बड़चना थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से बस की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में कई यात्री घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि, घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

संक्षिप्त समाचार

गिलगित-बाल्टिस्तान में वैन नदी में गिरी, 11 यात्रियों की मौत

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत के घिजर जिले में एक यात्री वैन के यासीन नदी में गिर जाने से 11 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह हादसा गुरुवार देरशाम हुआ। इस यात्री वैन का ड्राइवर गिलगित से घिजर जाते वक्त यासीन घाटी में मोर्काह पुल के पास नियंत्रण खो बैठा। पलभर में वैन पलटते हुए यासीन नदी में जा गिरी। डान की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने शुरुआत में बताया कि बचाव दलों ने 10 यात्रियों के शव निकाले,



जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं। इस दौरान तीन घायल यात्रियों को भी बचा लिया। सभी को इलाज के लिए गुपिस सिविल अस्पताल ले जाया गया। बाद में पुलिस ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि वैन सवार यासीन घाटी के रहने वाले हैं। प्रांत के मुख्यमंत्री अमजद हुसैन ने इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। सनद रहे, पिछले हफ्ते गिलगित से इस्लामाबाद जा रही एक बस हजारा मोटर-वे पर हवेलीयन इंटरचेंज के पास एक डंपर से टकरा गई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए थे। एक दिन पहले, पंजाब के पाकपट्टन के पास एक यात्री बस और ट्रक की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए थे।

अमेरिकी सामानों पर टैरिफ बढ़ाने का फैसला चीन ने टाला

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी सामानों के आयात पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अपने फैसले को अगले दो महीने के लिए टाल दिया है। फिलहाल पूर्व की तरह 10 प्रतिशत शुल्क लागू रहेगा। चीन और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव कम करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह बदलाव 10 नवंबर 2026 से प्रभावी होगा। चीन के वित्त मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका से आने वाले सामानों पर अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले को दो महीने के लिए निलंबित किया जा रहा है। इस दौरान अमेरिकी आयात



पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू रहेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच वॉशिंगटन में हुई बैठक के बाद बनी सहमति के तहत लिया गया है। इस फैसले का उद्देश्य दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के नतीजों को लागू करना और व्यापारिक संबंधों में तनाव कम करना है। चीन के बयान के मुताबिक, स्टेट काउंसिल ने अमेरिका से आयात होने वाले सामानों पर अतिरिक्त शुल्क से जुड़े उपायों में बदलाव को मंजूरी दी है। यह बदलाव कस्टम टैरिफ आयोग की ओर से जारी पहले के फैसलों के तहत किया गया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध पिछले कुछ समय से टैरिफ और अन्य आर्थिक प्रतिबंधों को लेकर तनावपूर्ण रहे हैं। अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने या घटाने के फैसले का असर दोनों देशों के कारोबारियों, आयातकों और निर्यातकों पर पड़ सकता है। ऐसे में दो महीने के लिए अतिरिक्त 24 प्रतिशत शुल्क रोकने को व्यापारिक बातचीत के लिए राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

दो एसपीओ की हत्या के बाद वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी, 30 लाख का इनाम

किश्तवाड़। दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स (एसपीओ) की हत्या के बाद किश्तवाड़ जिला पुलिस ने वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। साथ ही उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 30 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। इन आतंकियों की पहचान मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन के रूप में हुई है। यह घोषणा तब की गई है, जब गुरुवार सुबह किश्तवाड़ में एसपीओ बबी चंद और रशपाल कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले। ये दोनों बुधवार से लापता थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर उन्हें इन आतंकियों के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, तो 9797900958 और 1995357494 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

कुलगाम में सीआरपीएफ पोस्ट पर हमले के बाद कई संदिग्ध हिरासत में लिए गए

श्रीनगर। कुलगाम में हुए हमले के बाद पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। सुरक्षाबलों ने जिले में कई जगहों पर बैरिकेड्स लगाए हैं और बख्तरबंद गाड़ियां तैनात की हैं। सुरक्षा जांच चौकियों पर वाहनों की सघन जांच और तलाशी ली जा रही है और कड़ी निगरानी रखी जा रही है। घाटी में अन्य जगहों पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। श्रीनगर शहर और कश्मीर के अन्य जिलों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने वाहनों की रैंडम जांच की। दक्षिण कश्मीर जिले में बुधवार को आतंकवादियों ने सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की एक पोस्ट पर गोलीबारी की। हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों का पता लगाने के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। शुक्रवार को तीसरे दिन भी तलाशी अभियान जारी रहा। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां इस अभियान में मानवीय और तकनीकी खुफिया जानकारी का इस्तेमाल कर रही हैं। पुलिस ने पूछताछ के लिए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री विजय ने विद्यार्थियों को बांटा केक, शुभकामना संदेश में लिखा खास संदेश

बाल दिवस समारोह

एजेंसी, चेन्नई

बाल दिवस के अवसर पर चेन्नई के कोलाथूर स्थित चेन्नई नगर निगम मिडिल स्कूल में आयोजित समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय शामिल हुए और स्कूली छात्र-छात्राओं को केक वितरित कर बाल दिवस मनाया।

मुख्यमंत्री विजय आज (13 नवंबर) चेन्नई के कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पेरंबूर के मदुमा नगर इलाके में स्थित चेन्नई नगर निगम मिडिल स्कूल में आयोजित बाल दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को केक वितरित करने के साथ ही अपनी तस्वीर वाली बाल दिवस की शुभकामना पत्रिकाएं भी भेंट कीं और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इन शुभकामना पत्रों पर 'All is Well... Confident ah irunga' (सब ठीक है... आत्मविश्वास बनाए रखें) का संदेश लिखा हुआ था।

तमिलनाडु सरकार ने राज्यभर के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले 61 लाख



84 हजार 566 विद्यार्थियों को केक वितरित करने के लिए 9.27 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। बाल दिवस के अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों को केक वितरित करने की इस योजना का मुख्यमंत्री विजय ने कोलाथूर में शुभारंभ किया।

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री विजय इसके बाद कोलाथूर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को सहायता भी वितरित करेंगे। तमिलनाडु सरकार ने 14 नवंबर को होने वाले बाल दिवस के लिए राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में विद्यार्थियों को मिठाइयां वितरित करने का आदेश जारी किया था।

राजीव गांधी का पत्र साझा कर राहुल बोले- पिता ने हर जीव के साथ प्रेम व सम्मान से पेश आना सिखाया

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का 36 साल पुराना पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया है। इस पत्र को साझा करने से दो घंटे पहले राहुल गांधी ने एक अन्य वीडियो पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहस की चुनौती भी दी थी।

राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 7 फरवरी 1990 को राजीव गांधी की ओर से किशोर आजवानी को लिखे पत्र की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, "यह मेरे पिता की दी गई सीख की अच्छी झलक है कि हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना



चाहिए।"

राजीव गांधी ने पत्र में लिखा था कि जिन लोगों ने किशोर आजवानी का पत्र पढ़कर उन्हें भेजा, उनमें से किसी ने भी उनका मजाक नहीं उड़ाया। उन्होंने भी व्यक्तिगत रूप से पत्र पढ़ने के बाद ऐसा नहीं किया। राजीव गांधी ने लिखा कि किसी का समय इतना कीमती नहीं हो सकता कि वह शुभकामनाओं और सहानुभूति के लिए समय न निकाल सके। जिस व्यक्ति के मन में सहानुभूति और सद्भावना हो और उसे व्यक्त करने के लिए लिखने का साहस भी हो, वह कभी महत्वहीन नहीं हो सकता।

पत्र साझा करने से दो घंटे पहले राहुल ने एक अन्य पोस्ट में वीडियो साझा कर प्रधानमंत्री मोदी को बहस की चुनौती दी थी। वीडियो में उन्होंने कहा कि वह लगातार कह रहे हैं कि यदि प्रधानमंत्री उनसे बहस करने आते हैं तो उनका राजनीतिक करियर पूरी तरह खत्म हो जाएगा। प्रधानमंत्री भी यह बात जानते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन्हें बार-बार देश विरोधी कहते हैं। वह देश को दिखाना चाहते हैं कि वास्तविकता में देश विरोधी कौन है और कौन किसके नियंत्रण में है। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री अब उन पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं और न ही पहले की तरह हमले कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बहुत सावधानी बरत रहे हैं और इसके पीछे एक बड़ा कारण है।

छत्तीसगढ़ में निर्वाचक नामावली का ड्राफ्ट प्रकाशित, प्रदेश में कुल एक करोड़ 90 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ में आगामी चुनावों और निर्वाचन आयोग की तैयारियों के बीच मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य शुरू हो गया है। राज्य में निर्वाचक नामावली का ड्राफ्ट निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित कर दिया गया है, जिसके तहत प्रदेश में कुल एक करोड़ 90 लाख 16 हजार 768 मतदाता पंजीकृत किए गए हैं। इस सूची में 94.84 लाख पुरुष, 95.31 लाख महिलाएं और 412 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। इसके साथ ही, मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद इनकी कुल संख्या 27,196 से घटकर 26,854 (5,876 शहरी और 20,978 ग्रामीण) रह गई है।

मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश में इनकी संख्या 27,196 से घटकर 26,854 रह गई है। इनमें 5,876 शहरी और 20,978 ग्रामीण मतदान केंद्र हैं। आयोग ने मतदान केंद्रों की नई



सूची भी जारी कर दी है।निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रारूप (ड्राफ्ट रोल) 12 नवंबर 2026 को प्रकाशित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की देखरेख में राज्य के सभी जिलों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित कर उन्हें प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची की प्रतियां प्रदान की गई हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जारी यह सूची सभी मतदान केंद्रों के अलावा वोटर हेल्पलाइन एप ईसीआईनेट और आधिकारिक पोर्टल www.voters.eci.gov.in पर उपलब्ध है। मतदाता बूथ लेवल अधिकारी या टोल फ्री नंबर 1950 के जरिए भी नाम की जांच कर सकते हैं।

ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं होने, विवरण में गलती या अपात्र व्यक्ति का नाम शामिल होने पर 11 दिसंबर तक दावा-आपत्ति की जा सकती है। आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक किया जायेगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जायेगा। नए मतदाता पंजीकरण के लिए फार्म-छह, नाम विलोपन के लिए फार्म-सात और संशोधन व स्थानांतरण के लिए फार्म-आठ भरना होगा। एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के साथ एक अप्रैल, एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष के होने वाले युवा भी फार्म-छह के जरिए अग्रिम आवेदन कर सकते हैं।

नाम जुड़वाने में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर टोल-फ्री नंबर या एप ईसीआईनेट पर बुक ए कॉल विथ बीएलओ के जरिए बीएलओ से संपर्क किया जा सकता है। दावे-आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर तक होगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी 2027 को किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, यदि किसी नागरिक के नाम में कोई त्रुटि है, सूची से नाम गायब है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम जुड़ा है, तो वे 11 दिसंबर तक संबंधित फॉर्म (नया नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7, और संशोधन या स्थानांतरण के लिए फार्म-8) भरकर आवेदन कर सकते हैं। मतदाता अपने नाम की जांच वोटर हेल्पलाइन एप ईसीआईनेट या आधिकारिक पोर्टल www.voters.eci.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अलावा सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1950 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

महादेव सट्टा एप मामले में आरोपित मोहित सोमानी के घर सीबीआई की छापेमारी

एजेंसी, रायपुर

महादेव सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच तेज करते हुए शुक्रवार को रायपुर के समता कॉलोनी में आरोपित मोहित सोमानी के घर छापेमारी की। करीब छह सदस्यीय टीम उसके मकान पर पहुंची और लगभग एक घंटे तक जांच-पड़ताल कर वापस लौट गई।

मोहित सोमानी का नाम महादेव सट्टा सिंडिकेट में ऑपरेटर के रूप में सामने आया था। आरोप है कि वह महादेव 364 पैनल का संचालन करता था। सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की गिरफ्तारी और भारत वापसी के बाद रायपुर में हुई इस कार्रवाई को जांच की अहम कड़ी माना जा रहा है। मोहित सोमानी पर प्रमोटर से आईडी लेकर बेचने की आशंका जताई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि मोहित सोमानी को नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके से



गिरफ्तार किया था। जांच में उसका संबंध महादेव सट्टा नेटवर्क से सामने आया था। आरोप है कि वह पैनल के माध्यम से अवैध ऑनलाइन सट्टे का कारोबार संचालित करता था। फिलहाल सोमानी रायगढ़ जेल में निरुद्ध है। सीबीआई की टीम ने उसके समता कॉलोनी स्थित घर पहुंचकर जांच की। हालांकि, दबिश के दौरान क्या दस्तावेज या अन्य सामग्री मिली, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

मोहित सोमानी पर महादेव 364 पैनल के संचालन और प्रमोटर से आईडी लेकर बेचने का आरोप है। वह पहले भी नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है और फिलहाल रायगढ़ जेल में निरुद्ध है।

आयुष्मान योजना में बदलाव, 112 इलाज पैकेज अब सिर्फ सरकारी अस्पतालों में

नई दिल्ली। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब 112 तरह के इलाज के पैकेज केवल सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध होंगे। इन पैकेजों के तहत सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं मिलेगी। अब तक योजना के तहत कई तरह के इलाज सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में कराए जा सकते थे। नई व्यवस्था के तहत 112 पैकेज सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं। ऐसे पैकेजों में शामिल बीमारियों का इलाज कराने के लिए मरीजों को सरकारी अस्पताल जाना होगा। निजी अस्पताल में इन उपचारों के लिए मरीजों को स्वयं खर्च उठाना पड़ सकता है। सरकार का तर्क है कि इन 112 पैकेजों से संबंधित उपचार की सुविधाएं सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हैं। इसलिए इन्हें सरकारी अस्पतालों तक सीमित करने से सार्वजनिक स्वास्थ्य



के संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकेगा। हालांकि, आयुष्मान कार्ड के तहत पात्र परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज का प्रावधान पहले की तरह जारी रहेगा। अन्य पैकेजों में सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा मिलती रहेगी। मरीजों को सलाह दी गई है कि इलाज कराने से पहले संबंधित अस्पताल में अपने बीमारी के पैकेज की उपलब्धता की पुष्टि कर लें। नए बदलाव के तहत 112 आरक्षित पैकेजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में कैशलेस होगा। नोटः इस खबर में बदलाव की आधिकारिक अधिसूचना या 112 पैकेजों की सूची उपलब्ध नहीं है। प्रकाशन से पहले राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) की अधिसूचना से इसकी पुष्टि करना

ट्राई ने तीन महीने में स्पैम के खिलाफ 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर की कार्रवाई, 374 प्रेषक ब्लैकलिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने जुलाई से सितंबर के दौरान अनचाहे व्यावसायिक कॉल और संदेशों (यूसीसी) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.24 लाख से अधिक दूरसंचार संसाधनों पर प्रतिबंध लगाया या उनका कनेक्शन काटा है। इस दौरान पहली बार नियमों का उल्लंघन करने वाले 1,10,325 दूरसंचार संसाधनों को 15 दिन के लिए प्रतिबंधित किया गया, जबकि बार-बार उल्लंघन करने वाले 13,777 संसाधनों का एक साल के लिए कनेक्शन काट दिया गया। इसके अलावा 374 प्रेषकों को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट किया गया और 3,725 एसएमएस हेडर ब्लॉक किए गए।

ट्राई की शुक्रवार को जारी वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में यूसीसी की 15.29 लाख शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7.23 लाख शिकायतों पर कार्रवाई की गई। इस तिमाही में देश के दूरसंचार नेटवर्क से 714.01 अरब कॉल किए गए और 702.28 अरब एसएमएस भेजे गए। कुल कॉल के मुकाबले यूसीसी की शिकायतों की



संख्या प्रति दस लाख कॉल पर लगभग 2.14 रही। 30 सितंबर 2026 तक देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की कुल संख्या 134.9 करोड़ थी।

ट्राई के डीएनडी ऐप के माध्यम से जुलाई से सितंबर के दौरान यूसीसी की कुल 15.29 लाख शिकायतों में से 14.21 लाख शिकायतें मिलीं। यह कुल शिकायतों का 92.9 प्रतिशत है। 30 सितंबर तक ऐप को 42.36 लाख बार डाउनलोड किया जा चुका था। इस अवधि में डीएनडी रजिस्ट्री में 22.449 करोड़ उपभोक्ताओं ने अपनी प्राथमिकताएं दर्ज कराई थीं, जो कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं का 16.64 प्रतिशत है। 112 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं ने अब तक अपनी प्राथमिकताएं दर्ज नहीं कराई हैं। उपभोक्ता डीएनडी ऐप, दूरसंचार सेवा प्रदाता की वेबसाइट या ऐप अथवा 1909 पर कॉल या एसएमएस करके अपनी प्राथमिकताएं दर्ज करा सकते हैं।

प्रचार संबंधी कॉल के लिए 140, बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा और सरकारी नागरिक सेवाओं से जुड़ी कॉल के लिए 1600 तथा उपयोगिता, लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सेवाओं के लिए 1601 नंबर श्रृंखला निर्धारित की गई है। इस तिमाही में 140 श्रृंखला से 15.27 अरब प्रचार कॉल किए गए, जिनमें से 1.70 अरब रोक दिए गए। पंजीकृत प्रेषकों और टेलीमार्केटर्स ने 660.71 अरब व्यावसायिक एसएमएस भेजे, जिनमें से 11.09 अरब ब्लॉक किए गए। 1600 श्रृंखला से 1.27 अरब कॉल किए गए।

दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की एआई आधारित प्रणालियों ने इस दौरान 18.28 अरब कॉल और 1.62 अरब एसएमएस को संदिग्ध स्पैम के रूप में चिह्नित किया। संदिग्ध प्रेषकों को 45.9 लाख चेतावनी सूचनाएं भेजी गईं। इसके अलावा 34,025 प्रेषकों का ई-केवाईसी किया गया और सत्यापन में विफल रहने पर 9,977 कनेक्शन काटे गए। ट्राई ने डीएनडी ऐप के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 132 एफएम चैनलों, आकाशवाणी के 15 एफएम चैनलों, 23 निजी टीवी चैनलों, दूरदर्शन के दो चैनलों और 97 समाचार पत्रों के माध्यम से अभियान चलाए।

14-11-2026 T.P. Page 8_Layout 1 14-11-2026 09:09 Page 1



छठ पूजा बिहार और बिहार से 15 नवंबर 2000 को अलग हुए झारखंड राज्य में खूब-खूब लोकप्रिय है।और तो और जनमानस में यह भाव बलवती है कि इसका आरंभ भी यहीं से हुआ है। अब तो बिहार के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी इसका व्यापक प्रसार हो चुका है। विवरण है मग ब्राह्मणों की मूल स्थली मगध से छठ पूजा का श्री उदय हुआ। इस व्रत को सभी लोग बड़ी नेम,निष्ठा और भक्ति भाव से मनाते हैं। सूर्यास्त के बाद व्रतियों के पैर छूने और उनके गीले कपड़े धोने वालों में प्रतिस्पर्धा की भावना देखने में बनती है।यह एक ऐसा सात्विक तत्वों से भरा धार्मिक समागम है, जिस व्रत का प्रसाद मांग कर खाने का विधान है।

आस्था और नेम-निष्ठा का महापर्व छठ

डॉ.राकेश कुमार सिन्हा'रवि'

संसार भर में जगत के प्रत्यक्ष देव सूर्य नारायण की धार्मिक सत्ता प्रकारान्तर से गौरोज्जवल रहा है।नित्य प्रातः स्नान करते समय सूर्य नमस्कार करने और जल चढ़ाने की प्रथा भारतीय समाज में आदि काल से प्रचलित है।पुराणों और धर्म शास्त्रों में ईश्वर की उपासना के लिए प्रायः अलग-अलग दिनों एवं तिथियों का निर्धारण किया गया है।जैसे गणेश की पूजा के लिए चतुर्थी की तिथि प्रसिद्ध है,श्री विष्णु के लिए एकादशी तिथि प्रशस्त मानी गयी है।श्री भैरव जी के लिए अष्टमी तिथि स्वीकार्य है।इसी प्रकार सूर्य नारायण के साथ सप्तमी तिथि की संगति है।यथा-सूर्य सप्तमी, रथ सप्तमी,अचला सप्तमी इत्यादि और इसी के साथ सूर्य षष्ठी पर्व का भी समापन सप्तमी तिथि को ही होता है। सूर्य षष्ठी अर्थात् छठ पर्व सूर्य देवता को समर्पित है जो वर्ष में दो बार चैत और कार्तिक माह में मनाया जाता है जिससे लोगों में चार दिवसीय धार्मिकता,विनम्रता व सद्बुद्धि की भावना जागृत होती है।

भारतीय परंपराओं का मूल स्रोत कहीं-न-कहीं पौराणिक कथाओं में अवश्य उपलब्ध होता है।श्वेताश्वतरोपनिषद् में परमात्मा की माया को 'प्रकृति' और माया के स्वामी को 'मायी' कहा गया है।यह प्रकृति ब्रह्मस्वरूपा, मायामयी और सनातनी है। प्रकृति देवी स्वयं को पांच भागों में विभक्त करती हैं -दुर्गा, राधा, लक्ष्मी,सरस्वती और सावित्री। प्रकृति देवी के एक प्रधान अंश को देवसेना कहा जाता है जो सबसे श्रेष्ठ मातृका मानी जाती है।यह समस्त लोकों के बालकों की रक्षिका एवं दीघार्यु प्रदान करने वाली देवी है।प्रकृति का छठा अंश होने के कारण इस देवी का एक नाम षष्ठी भी है और इन्हीं को समर्पित सूर्य षष्ठी व्रत का महात्म्य युग-युगान्तर से बना हुआ है।

षष्ठी देवी के पूजन का प्रसार पृथ्वी पर कब से हुआ? इस संदर्भ में पौराणिक कथा इस प्रकार है-प्रथम मनु स्वायम्भुव के पुत्र प्रियव्रत के कोई संतान न थी।उन्होंने महर्षि कश्यप से अपना दुःख व्यक्त किया और पुत्र प्राप्ति का उपाय पूछा।महर्षि ने महाराज को पुत्रेष्टि यज्ञ करने की परामर्श दी।यज्ञ के फलस्वरुप महाराज को मालिनी नामक महारानी ने यथावसर एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन वह शिशु मृत था।महारानी को मृत प्रसव हुआ है, यह समाचार से हर्ष का स्थान अवसाद ने ले लिया।पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। महाराज प्रियव्रत के ऊपर जैसे ब्रजपात हो गया। वे शिशु के मृत शरीर को अपने वक्ष से लगाए उन्मतों की भांति प्रलाप करने लगे।किसी में इतना साहस नहीं था कि वह और्ध्वदैहिक क्रिया के लिए बालक के शव को राजा से अलग कर सके। तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी।सभी ने देखा कि आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान पृथ्वी की ओर आ रहा है।विमान के समीप आने पर स्थित और स्पष्ट हुई।उस विमान में एक दिव्याकृति नारी विराजमान थी।राजा के द्वारा यथोचित स्तुति करने पर देवी ने कहा- मैं ब्रह्मा की मानस पुत्री षष्ठी देवी हूं। मैं विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं एवं पुत्रहीनों को पुत्र प्रदान करती हूं। इतना कह कर देवी ने मृत शिशु के शरीर को स्पर्श किया जिससे वह बालक जीवित हो उठा। महाराज के प्रसन्नता की सीमा न रही।वे अनेक प्रकार से षष्ठी देवी की स्तुति करने लगे और राज्य में प्रतिमास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को षष्ठी महोत्सव मनाये जाने की राजाज्ञा प्रसारित करायी, तभी से बालकों के जन्म, नामकरण, अन्नप्राशन आदि सभी शुभ अवसरों पर षष्ठी पूजन प्रचलित हुई।

छठ पूजा बिहार और बिहार से 15 नवंबर 2000 को अलग हुए झारखंड राज्य में खूब-खूब लोकप्रिय है।और तो और जनमानस में यह भाव बलवती है कि इसका आरंभ भी यहीं से हुआ है। अब तो बिहार के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी इसका व्यापक प्रसार हो चुका है। विवरण है मग ब्राह्मणों की मूल स्थली मगध से छठ पूजा का श्री उदय हुआ। इस व्रत को सभी लोग बड़ी नेम,निष्ठा और भक्ति भाव से मनाते हैं। सूर्यास्त के बाद व्रतियों के पैर छूने और उनके गीले कपड़े धोने वालों में प्रतिस्पर्धा की भावना देखने में बनती है।यह एक ऐसा सात्विक तत्वों से भरा धार्मिक समागम है, जिस व्रत का प्रसाद मांग कर खाने का विधान है।

सूर्य षष्ठी व्रत के प्रसाद में ऋतु फल के अतिरिक्त आटे और गुड़ के शुद्ध घी में बने ठेकुआ का होना अनिवार्य है। ठेकुआ पर लकड़ी के सांचे से सूर्य भगवान के रथ का चक्र भी अंकित करना आवश्यक और शुभकारी माना जाता है। षष्ठी के दिन निकट स्थित किसी पवित्र नदी का जलाशय के तट पर मध्यान्ह से ही भीड़ एकत्र होने लगती है। सभी व्रती महिलाएं नए कपड़े एवं आभूषणादि से सुसज्जित होकर फल मिष्ठान और पकवानों से भरे हुए नए बांस से निर्मित सुप और दौरी(डलिया) लेकर षष्ठी माता और भगवान सूर्य के लोकगीत गाते हुए अपनी-अपनी घरों से पूजा हेतु निकलती हैं ।भगवान सूर्य के अर्घ्य का सूप और डलिया ढोने का भी विशेष महत्व है।यह कार्य पति, पुत्र या घर का कोई भी पुरुष सदस्य ही करता है। घर से घाट तक लोकगीतों का क्रम चलता रहता है और यह क्रम तब तक चलता रहता है जब भगवान भास्कर सांयकालीन अर्घ्य स्वीकार कर अस्ताचल को नहीं चले जाते हैं। सूपों और डलियों पर जगमगाते हुए घी के दीपक गंगा या किसी भी नदी-सरोवर के तट पर बड़े आकर्षक लगते हैं।पुनः अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में ही नूतन अर्घ्य सामग्री के साथ सभी व्रती जल में खड़े होकर हाथ जोड़े हुए भगवान भास्कर के उदय होने की प्रतीक्षा करते हैं और जैसे ही नभ क्षितिज पर अरुणिमा दिखाई देने लगती है वैसे ही मंत्रों के साथ भगवान सविता को अर्घ्य समर्पित किए जाते हैं।यह व्रत विसर्जन, ब्राह्मण दक्षिणा एवं पारण के पश्चात पूर्ण होता है।

मूलतः चार दिनों से ही लोग काफी कुछ परहेज शुरू कर स्वयं और अपने को पवित्र रखते हैं। यह पर्व स्त्री और पुरुष दोनों करते हैं।पारिवारिक उन्नति, पुत्र की कामना, वंश वृद्धि एवं बढ़ोतरी के साथ वैवाहिक कार्य पूर्ण के नाम पर यह मनौती का उत्तम पर्व है।लोग अपनी मनोकामना पूर्ण होने के उपरांत छठ व्रत कर मनौती (मनिता) अवश्य उतरते हैं। यही कारण है कि इधर के समाज में चाहे शादी विवाह हो या व्यापार, नौकरी हो या कोई अन्य कार्य सब में छठ पर्व और उसकी महिमा का सरोकार दृष्टिपात होता है।

स्नान, भजन, भोजन से प्रारंभ होकर यह पर्व पारण के दिन समाप्त होता है। बीच में क्रमानुसार खड़ना(लोहंडा),सांझ का अर्घ्य और दिन का अर्घ्य होता है।नहाए-खाए के दिन व्रती स्त्रियां शुद्ध रूप से अरवा चावल, चने की दाल,कद्दू की सब्जी आदि बनाती है जो सेंधा नमक से बनाया जाता है।सांझ को सभी आवश्यकतानुरूप सब्जी, दाल, चावल खाकर व्रती रह जाती हैं।दूसरे दिन खरना,खड़ना या लोहंडा के दिन व्रती नदी,कुंड अथवा तालाब में स्नान कर वहीं से पानी लाकर घर में प्रसाद (खीर)बनती हैं। शक्कर, गुड़, अरवा चावल और दूध से बना यह प्रसाद और जांते का पिसा हुआ आटे का टिकरी को पहले छोटे बड़े मिट्टी के पात्र में विभिन्न देवी देवताओं एवं पितरों के नाम अर्पित करते हुए व्रती स्वयं भी खाते हैं। प्रसाद की यशः महिमा इतनी उच्च है कि इसका इनका जूठन भी महाप्रसाद है जो व्रत करने वाले से सभी छोटे अवश्य खाते हैं।कहीं-कहीं नमकीन प्रसाद(अरवा चावल एवं चने का दाल)और कसार(चावल के आटे का लड्डू) का भी प्रसाद बनाए जाने की परंपरा है।

दूसरे दिन यानी पर्व के तीसरे दिन सांझ को अस्ताचलगामी सूर्य का अर्घ्य देते हैं। उस दिन घाट से लौटकर व्रती श्री सत्यनारायण देव की कथा अवश्य सुनते हैं ताकि मन में धर्म कर्म का भाव जीवंत बना रहे और निरंतर अखंड उपवास में आंतरिक शक्ति प्राप्त होता रहे।।

चौथे दिन प्रातः उदयाचल सूरज को अर्घ्य दिया जाता है जिसमें बांस या पीतल का बना सूप, विभिन्न तरह के फलाहार और घर पर बने प्रसाद यथा ठेकुआ की प्रधानता रहती है। उसी गीले कपड़े को पहन कर व्रती अंत में वहीं पर श्री षष्ठी महात्म्य की कथा सुनते हैं फिर केला,नींबू आदि मिश्रित शर्बत को पीकर भारती अपना व्रत समाप्त करते हैं।

छठ पर्व कठिन साधना का महाव्रत है। विवरण है कि महाभारत काल में द्रोपदी ने इस पर्व को किया था तो कहीं-कहीं यह भी उल्लेख है कि च्यवन ऋषि के कांतिमय काया के लिए सुकन्या के द्वारा छठ पर्व प्रारंभ किया गया।तीन दिन की कठिन साधना के उपरांत व्रती इस पर्व ने संपन्न करते हुए चौथे दिन प्रातः उदित सूरज को अर्घ्य देने के साथ जल ग्रहण किया जाता है।इस कारण व्रती की हार्दिक लालसा होती है कि सूर्य नारायण जल्दी से उदय हों।और यही अनुनय-विनय हिंदी,मगही, मैथिली,भोजपुरी,अवधि, बज्जिका आदि लोक भाषा के गीतों में सुनने को मिलता है। विविध क्षेत्रों से संबंधित छठ गीत की महिमा छठ व्रत की महत्ता और महिमा को वृद्धि करता प्रतीत होता है।

बिहार,झारखंड,पूर्वी उत्तर प्रदेश में यहां के निवासी जो बाहर यानी ओडिशा, बंगाल, छत्तीसगढ़,मध्य प्रदेश,उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र,गुजरात,दक्षिण भारत आदि प्रदेशों में रहते हैं,वहां भी यह पर्व मनाए जाने लगा है। छठ की गहमागहमी वहां भी खूब रहती है।अब तो विदेशों में भी छठ की रौनकता देखने को बन रही है।शायद यही कारण है कि अटूट आस्था और अखंड विश्वास के इस पर्व को बिहार ही नहीं संपूर्ण देश का महानतम लोक पर्व कहा जाता है।

छठ पूजा 2026: सूर्य देव की आराधना, लोक-आस्था और प्रकृति के वंदन का महापर्व



कार्तिक मास की हल्की-हल्की ठंड, नदियों के घाटों पर गूंजते छठी मइया के गीत और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते श्रद्धालुओं का हुजूम... यह नजारा ही अपने आप में मन को मोह लेने वाला होता है। हमारी भारतीय लोक-परंपराओं और आस्था के ताने-बाने में छठ महापर्व की अहमियत किसी से छिपी नहीं है। सच पूछिए तो यह महज कोई तीज-त्योहार भर नहीं रह गया है, बल्कि इसे आप प्रकृति, पवित्रता और सूर्य देव के प्रति हम इंसानों के गहरे आभार का एक जीवंत प्रतीक मान सकते हैं।

वर्ष 2026 में, आस्था का यह चार दिवसीय महापर्व 13 नवंबर से शुरू होकर 16 नवंबर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ अपने पूर्ण स्वरूप को प्राप्त करेगा। मूल रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई इलाकों की माटी से जुड़ा यह पर्व आज अपनी भौगोलिक सीमाएं लांघ चुका है। अब क्या दिल्ली, क्या महाराष्ट्र और क्या गुजरात–देश के कोने-कोने में, यहां तक कि विदेशों में भी लोग अपने-अपने तरीके से घाट बनाकर इस पर्व को पूरी श्रद्धा से मनाते हैं।

त्योहार के आते ही परदेस में रह रहे लोगों के मन में अपने पैतृक गांव और घर के आंगन की यादें हिलोरे मारने लगती हैं। ट्रेनों और बसों में उमड़ती भीड़ इस बात की गवाह है कि छठ सिर्फ एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मिट्टी से वापस जुड़ने का एक बहाना भी है।

उपासना का मूलः क्यों खास है सूर्य और छठी मइया का यह नाता?

लोक-व्यवहार में हम इसे छठ या डाला छठ के नाम से पुकारते हैं। कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से इस कठिन तपस्या की नींव पड़ती है, जो सप्तमी की सुबह तक चलती है।

आप देखेंगे कि दुनिया भर की संस्कृतियों में उगते हुए सूरज को ही प्रणाम किया जाता है, लेकिन छठ की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें डूबते हुए सूरज (अस्ताचलगामी सूर्य) को भी उतनी ही श्रद्धा से अर्घ्य दिया जाता है। यह परंपरा हमें जीवन का एक बहुत बड़ा फलसफा सिखाती है–जो अस्त हो रहा है, उसका भी सम्मान करो, क्योंकि कल वही फिर से एक नई सुबह लेकर उगेगा।

रही बात छठी मइया की, तो गांव-देहात की मान्यताओं में उन्हें सूर्य देव की मानस बहन माना गया है। लोकगीतों में भी छठी मइया को एक ऐसी कृपालु देवी के रूप में उकेरा गया है जो सूनी गोद भरती हैं, संतानों के सिर पर अपना हाथ रखती हैं और पूरे परिवार को हर बुरी नजर से बचाती हैं।

सादगी और अनुशासन की मिसाल

आज के दौर में जहां त्योहारों का मतलब अक्सर महंगा दिखावा, चकाचौंध और भारी-भरकम सजावट हो गया है, वहीं छठ अपनी सादगी पर टिका हुआ है। इसमें न तो किसी पुरोहित की बहुत बड़ी अनिवार्यता होती है और न ही किसी भव्य मंदिर की।

बांस से बुने हुए सूप और दउरे, मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी से बना प्रसाद, गुड़-आटे का ठेकुआ, गन्ने की मिठास, डाभ नीबू और मौसमी फल–यही सब तो इस पर्व की असल पूंजी हैं। यह त्योहार बताता है कि भगवान तक पहुंचने का रास्ता आडंबरों से नहीं, बल्कि मन की शुद्धि और सात्विकता से होकर गुजरता है।

पौराणिक पन्नों सेः रामायण और महाभारत से जुड़े तार

आखिर इस कठिन व्रत की शुरूआत कहां से हुई? इसे लेकर हमारे समाज में कई कथाएं गहराई तक पैठी हुई हैं।

एक कहानी हमें त्रेता युग में ले जाती है। कहते हैं कि रावण का वध करने के बाद जब भगवान राम और माता सीता वापस अयोध्या लौटे, तो उन्होंने अपने कुल देवता यानी सूर्य देव की उपासना की थी। माना जाता है कि माता सीता ने ही सबसे पहले मुंगेर में गंगा तट पर यह व्रत रखा था।

वहीं, द्वापर युग का भी एक मशहूर प्रसंग है। महाभारत काल में सूर्यपुत्र कर्ण से बड़ा कोई सूर्य उपासक नहीं हुआ। कर्ण हर दिन घंटों पानी में खड़े रहकर सूर्य की आराधना करते थे, और मान्यता है